BANASTHALI VIDYAPITH

Master of Arts (Sanskrit)

Curriculum Structure

First Semester Examination, December, 2020
Second Semester Examination, April/May, 2021
Third Semester Examination, December, 2021
Fourth Semester Examination, April/May, 2022

BANASTHALI VIDYAPITH
P.O. BANASTHALI VIDYAPITH
(Rajasthan)-304022

July, 2020

76

No. F. 9-6/81-U.3

Government of India
Ministry of Education and Culture
(Department of Education)

New Delhi, the 25th October, 1983

N O T I F I C A T I O N

In exercise of the powers conferred by Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 (3 of 1956) the Central Government, on the advice of the Commission, hereby declare that Banasthali Vidyapith, P. O. Banasthali Vidyapith, (Rajasthan) shall be deemed to be a University for the purpose of the aforesaid Act.

Sd/-
(M. R. Kolhatkar)
Joint Secretary of the Government of India

N O T I C E

Changes in Bye-laws/Syllabi and Books may from time to time be made by amendment or remaking, and a Candidate shall, except in so far as the Vidyapith determines otherwise, comply with any change that applies to years she has not completed at the time of change.

© BANASTHALI VIDYAPITH

Sl. No.	Contents	Page No.
1	Programme Educational Objectives	4
2	Programme Outcomes	5
3	Curriculum Structure	7
4	Evaluation Scheme and Grading System	11
5	Syllabus	13

संस्कृत वाङ्मय को भारतीय सांस्कृतिक इतिहास के प्रामाणिक प्रलेख के रूप में देखा जाता है। इसमें वेद, व्याकरण, भाषाशास्त्र, दर्शनशास्त्र, काव्यशास्त्र एवं काव्यादि विषयाधारित ऐसी अनेक विमर्शात्मक एवं विश्लेषणात्मक पद्धतियाँ हैं, जिनका सम्बन्ध मानवीय जीवन शैली एवं व्यक्तित्व–विकास से है। इसलिए यह आवश्यक है कि भारतीय ज्ञान परम्परा एवं सांस्कृतिक विरासतीय तत्त्वों से विद्यार्थियों को अवगत कराया जाए, जिससे वे भविष्य में प्राप्त अवसरों का आत्मानुसंधानपूर्वक स्वयं के जीवन में उपयोग कर सकें।

इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अन्तः अनुशासनात्मक पद्धति एवं बहुआयामी उपागमों के साथ संस्कृत पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है।

PROGRAMME EDUCATIONAL OBJECTIVES

- भारतीय साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं शास्त्रीय चिन्तन की परम्परा से अवगत कराना।
- संस्कृत वाङ्मय के वेद, व्याकरण, काव्यशास्त्र, कलाशास्त्र, भाषाशास्त्र, तर्कशास्त्र, धर्मशास्त्र, पुराण एवं इतिहास सम्बन्धी चिन्तन का अवबोध कराना।
- भारतीय दर्शन की विविध शाखाओं के स्वरूप से परिचित कराकर तात्त्विक विश्लेषण की योग्यता विकसित करना।
- वैदिक साहित्य एवं शास्त्र साहित्य का ज्ञान कराकर सर्वतोभद्र विकास करना।
- प्राचीन एवं आधुनिक संस्कृत साहित्य का अवबोध कराकर सौन्दर्यबोध की भावना विकसित करना।
- संस्कृत काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का प्रतिपादन कर काव्यशास्त्रीय तत्त्वों के मूल्यांकन एवं विश्लेषण की अभिक्षमता का विकास करना।
- संस्कृत भाषायी कौशल का विकास कर, संस्कृत वाग्व्यवहार की क्षमता के साथ मौलिक अभिव्यक्ति की योग्यता विकसित करना।

PROGRAMME OUTCOMES

PO1: **संस्कृत ज्ञान परम्परा** – वेद, दर्शन, काव्य एवं कलाशास्त्रीय चिंतन के आधार पर भारतीय ज्ञान परंपरा एवं संस्कृति विषयक समझ का विकास ।

PO2: **योजनापरक दृष्टिकोण** – भाषा सम्बन्धी समस्याओं के विश्लेषण की क्षमता का विकास, दार्शनिक, साहित्यिक एवं व्यावहारिक विषयों पर मीमांसात्मक क्षमता का विकास

PO3: **समस्या–विश्लेषण** – प्रामाणिक एवं शोधपूर्ण ज्ञानोन्मुख प्रवृत्ति, सूत्र, व्याख्या, भाष्य, समीक्षा, पूर्वपक्ष, उत्तरपक्ष एवं मीमांसा आदि पद्धतियों से काव्य, दर्शन एवं संस्कृति सम्बन्धी सिद्धान्तों की व्याख्यात्मक, विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास एवं विमर्शात्मक संश्लेषण से निष्कर्षात्मक दृष्टि का विकास। व्युत्पत्ति, निर्वचन, तर्क, विषयप्रवर्तन मूलक पद्धतियों द्वारा साहित्य, दर्शन एवं समाज सम्बन्धी समस्याओं के समाधान करने की क्षमता का विकास।

PO4: **नवाचारमूलक दृष्टि** – संस्कृत की आधुनिक विधाओं (लघुकथा, उपन्यास, डायरी, गजल, गीत, प्रगीत आदि) एवं उत्तर आधुनिकतावादी, संरचना एवं उत्तर संरचनावादी व्याख्या पद्धतियों के अनुप्रयोग की क्षमता का विकास। संस्कृत वाङ्मय में वर्णित नवाचारमूलक नवीन शोधात्मक प्रवृत्तियों एवं पद्धतियों से परिचय।

PO5: **नेतृत्व–कौशल –** शिक्षा के सभी संसाधनों के अध्ययन, विश्लेषण, विवेचनोपरान्त छात्राओं में कौशल विकसित करके नेतृत्व क्षमता का विकास।

PO6: **व्यावसायिक पहचान** – संस्कृत वाङ्मय के अन्तर्गत वेद वेदांग, दर्शनशास्त्र , साहित्य आदि के अध्ययन से उच्च प्रशासनिक सेवाओं, अध्यापक,व्यवस्थापिका,अनुवादक आदि से संबंधित आजीविका की प्राप्ति।

PO7: **संस्कृत एवं नैतिकता** –शिक्षा के चार सोपानों (आगम, स्वाध्याय, परिचर्चा एवं व्यवहार) के माध्यम से सामाजिक, नैतिक व व्यावहारिक मूल्यों के प्रति जागरूकता एवं लोकोपयोगी दृष्टिकोण का विकास। विविध संस्कृत ग्रन्थों (साहित्य, कथा साहित्य, नाट्यशास्त्र, काव्य ग्रन्थ) के अध्यापन द्वारा सामाजिक, सांस्कृतिक राजनीति सम्बन्धी विविध मूल्यों का विकास

PO8: **संम्प्रेषण कौशल** – संस्कृत भाषायी कौशलों का विकास करके, संस्कृत वाग्व्यवहार की क्षमता के साथ मौलिक अभिव्यक्ति की योग्यता का विकास।

PO9: **संस्कृत और समाज –** संस्कृत ग्रन्थों में निहित मूल्यों की शिक्षा के माध्यम से समाज में छात्राओं द्वारा उनका प्रचार–प्रसार। संस्कृत शिक्षा के माध्यम से विविध पदों पर आसीन होकर समाज में संस्कृतनिष्ठ मूल्यों की स्थापना।

PO10: **पर्यावरण जागरूकता –** ऋग्वेदादि ग्रन्थों में वर्णित पर्यावरण संरक्षण आदि विषयों के प्रतिपादन से पर्यावरण के प्रति चेतना का विकास। संस्कृत साहित्य में उल्लिखित पर्यावरणीय एवं पारिस्थितिकीय भौगोलिक संदर्भों से भूगोल एवं पर्यावरण से सम्बद्ध ज्ञानात्मक एवं उपचारात्मक प्रवृत्ति का विकास।

PO11: **जीवनपर्यन्त शिक्षा –** संस्कृत साहित्य की विविध विधाओं में सर्वत्र दृष्टिगत आध्यात्मिक, सामाजिक, नैतिक, धार्मिक, आर्थिक आदि जीवन–मूल्यों का अवबोध कर और उन्हें आचरण में समन्वित कर विद्यार्थी अपने जीवन में व्यावहारिक अनुप्रयोग सम्बन्धी कुशलता में अभिवृद्धि कर सकेगा।

Curriculum Structure

Master of Arts (Sanskrit)

First Year

Semester-I

Course Code		Course Name	L	T	P	C*
SANS	404	धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र एवं वैज्ञानिक शास्त्र	5	0	0	5
SANS	403	भाषा शास्त्र एवं व्याकरण	5	0	0	5
SANS	401	भारतीय दर्शन, भाग–।	5	0	0	5
SANS	405	प्राचीन संस्कृत साहित्य, भाग–।	5	0	0	5
SANS	407	वैदिक साहित्य एवं भारतीय संस्कृति	5	0	0	5
		Semester Total:	**25**	**0**	**0**	**25**

Semester-II

Course Code		Course Name	L	T	P	C*
SANS	402	भारतीय दर्शन, भाग–।।	5	0	0	5
SANS	406	प्राचीन संस्कृत साहित्य, भाग–।।	5	0	0	5
SANS	409	व्याकरणशास्त्र एवं अनुवाद	5	0	0	5
SANS	408	वैदिक साहित्य एवं उसका इतिहास	5	0	0	5
CS	421	Introduction to Computer Applications	3	0	0	3
CS	421L	Introduction to Computer Applications Lab	0	0	4	2
		Semester Total:	**23**	**0**	**4**	**25**

Second Year

Semester-III

Course Code		Course Name	L	T	P	C*
SANS	504	संस्कृत काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	5	0	0	5
SANS	505	संस्कृत काव्यशास्त्र एवं उसका इतिहास	5	0	0	5
SANS	510	संस्कृत व्याकरणम्	5	0	0	5
SANS	506	संस्कृत नाट्य एवं नाट्यशास्त्र भाग–।	5	0	0	5
		विषयाधारित चयनित पाठ्यक्रम	5	0	0	5
		स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम–I	0	0	4	2
		Semester Total:	**25**	**0**	**4**	**27**

Semester-IV

Course Code		Course Name	L	T	P	C*
SANS	503	संस्कृत काव्यशास्त्र एवं अलंकार	5	0	0	5
SANS	508	संस्कृत निबन्धो व्याकरणंच	5	0	0	5
SANS	507	संस्कृत नाट्य एवं नाट्यशास्त्र भाग–।।	5	0	0	5
SANS	516P	संस्कृत परियोजना	0	0	10	5
		चयनित पाठ्यक्रम (मुक्त चयनित)	5	0	0	5
		स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम–II	0	0	4	2
		Semester Total:	**20**	**0**	**14**	**27**

विषयाधारित चयनित पाठ्यक्रम समूह

Course	Code	Course Name	L	T	P	C*
SANS	513	प्राचीन भारत में स्त्री शिक्षा	5	0	0	5
SANS	521	संस्कृत भाषा चिन्तन	5	0	0	5
SANS	517	संस्कृत रेडियो रूपक	5	0	0	5
SANS	518	संस्कृत साहित्य एवं पर्यावरण विज्ञान	5	0	0	5
SANS	522	उपनिषद् साहित्य	5	0	0	5
SANS	523	अभिनव काव्यशास्त्र एवं उसका इतिहास	5	0	0	5
SANS	519	संस्कृत साहित्य की आधुनिक विधाएँ	5	0	0	5
SANS	501	आधुनिक संस्कृत साहित्य भाग–।	5	0	0	5
SANS	502	आधुनिक संस्कृत साहित्य भाग–।।	5	0	0	5
SANS	524	योगदर्शन	5	0	0	5
SANS	525	त्रिक दर्शन	5	0	0	5

स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम समूह

Course	Code	Course Name	L	T	P	C*
SANS	511R	भारतीय लिपि – विज्ञान	0	0	4	2
SANS	512R	पौराणिक भौगोलिक – चिन्तन	0	0	4	2
SANS	514R	संस्कृत में कला–चिन्तन	0	0	4	2
SANS	515R	संस्कृत पत्रकारिता	0	0	4	2
SANS	520R	संस्कृत नाट्य व सिनेमा	0	0	4	2
SANS	526R	वैदिक आख्यान	0	0	4	2

*** L - Lecture hrs/week; T - Tutorial hrs/week; P-Project/Practical/Lab/All other non-classroom academic activities, etc. hrs/week; C - Credit Points of the Course**

Student can opt open (Generic) elective from any discipline of the Vidyapith with prior permission of respective heads and time table permitting.

Every Student shall also opt for:
Five Fold Education: Physical Education I, Physical Education II, Five Fold Education: Aesthetic Education I, Aesthetic Education II, Five Fold Education: Practical Education I, Practical Education II one each semester

Five Fold Activities

Aesthetic Education I/II		Physical Education I/II	
BVFF 101	Classical Dance (Bharatnatyam)	BVFF 201	Aerobics
BVFF 102	Classical Dance (Kathak)	BVFF 202	Archery
BVFF 103	Classical Dance (Manipuri)	BVFF 203	Athletics
BVFF 104	Creative Art	BVFF 204	Badminton
BVFF 105	Folk Dance	BVFF 205	Basketball
BVFF 106	Music-Instrumental (Guitar)	BVFF 206	Cricket
BVFF 107	Music-Instrumental (Orchestra)	BVFF 207	Equestrian
BVFF 108	Music-Instrumental (Sarod)	BVFF 208	Flying - Flight Radio Telephone Operator's Licence (Restricted)
BVFF 109	Music-Instrumental (Sitar)	BVFF 209	Flying - Student Pilot's Licence
BVFF 110	Music-Instrumental (Tabla)	BVFF 229	Aeromodelling
BVFF 111	Music-Instrumental (Violin)	BVFF 210	Football
BVFF 112	Music-Vocal	BVFF 211	Gymnastics
BVFF 113	Theatre	BVFF 212	Handball
Practical Education I/II		BVFF 213	Hockey
BVFF 301	Banasthali Sewa Dal	BVFF 214	Judo
BVFF 302	Extension Programs for Women Empowerment	BVFF 215	Kabaddi
BVFF 303	FM Radio	BVFF 216	Karate - Do
BVFF 304	Informal Education	BVFF 217	Kho-Kho
BVFF 305	National Service Scheme	BVFF 218	Net Ball
BVFF 306	National Cadet Corps	BVFF 219	Rope Mallakhamb
		BVFF 220	Shooting
		BVFF 221	Soft Ball
		BVFF 222	Swimming
		BVFF 223	Table Tennis
		BVFF 224	Tennis
		BVFF 225	Throwball
		BVFF 226	Volleyball
		BVFF 227	Weight Training
		BVFF 228	Yoga

Every Student shall also opt for:
Five Fold Education: Physical Education I, Physical Education II,
Five Fold Education: Aesthetic Education I, Aesthetic Education II,
Five Fold Education: Practical Education I, Practical Education II
one each semester

Evaluation Scheme and Grading System

Continuous Assessment (CA) (Max. Marks)					End-Semester Assessment (ESA) (Max. Marks)	Grand Total (Max. Marks)
Assignment		Periodical Test		Total (CA)		
I	II	I	II			
10	10	10	10	40	60	100

In all theory, laboratory and other non classroom activities (project, dissertation, seminar, etc.), the Continuous and End-semester assessment will be of 40 and 60 marks respectively. However, for Reading Elective, only End semester exam of 100 marks will be held. Wherever desired, the detailed breakup of continuous assessment marks (40), for project, practical, dissertation, seminar, etc shall be announced by respective departments in respective student handouts.

Based on the cumulative performance in the continuous and end-semester assessments, the grade obtained by the student in each course shall be awarded. The classification of grades is as under:

Letter Grade	Grade Point	Narration
O	10	Outstanding
A+	9	Excellent
A	8	Very Good
B+	7	Good
B	6	Above Average
C+	5	Average
C	4	Below Average
D	3	Marginal
E	2	Exposed
NC	0	Not Cleared

Based on the obtained grades, the Semester Grade Point Average shall be computed as under:

$$SGPA = \frac{CC_1 * GP_1 + CC_2 * GP_2 + CC_3 * GP_3 + ---- + CC_n * GP_n}{CC_1 + CC_2 + CC_3 + ---- + CC_n} = \frac{\sum_{i=1}^{n} CC_i * GP_i}{\sum_{i=1}^{n} CC_i}$$

Where n is the number of courses (with letter grading) registered in the semester, CC_i are the course credits attached to the i^{th} course with letter grading and GP_i is the letter grade point obtained in the i^{th} course. The courses which are given Non-Letter Grades are not considered in the calculation of SGPA.

The Cumulative Grade Point Average (CGPA) at the end of each semester shall be computed as under:

$$CGPA = \frac{CC_1 * GP_1 + CC_2 * GP_2 + CC_3 * GP_3 + ---- + CC_n * GP_n}{CC_1 + CC_2 + CC_3 + ---- + CC_n} = \frac{\sum_{i=1}^{n} CC_i * GP_i}{\sum_{i=1}^{n} CC_i}$$

Where n is the number of all the courses (with letter grading) that a student has taken up to the previous semester.

Student shall be required to maintain a minimum of 4.00 CGPA at the end of each semester. If a student's CGPA remains below 4.00 in two consecutive semesters, then the student will be placed under probation and the case will be referred to Academic Performance Review Committee (APRC) which will decide the course load of the student for successive semester till the student comes out of the probationary clause.

To clear a course of a degree program, a student should obtain letter grade C and above. However, D/E grade in two/one of the courses throughout the UG/PG degree program respectively shall be deemed to have cleared the respective course(s). The excess of two/one D/E course(s) in UG/PG degree program shall become the backlog course(s) and the student will be required to repeat and clear them in successive semester(s) by obtaining grade C or above.

After successfully clearing all the courses of the degree program, the student shall be awarded division as per following table.

Division	CGPA
Distinction	7.50 and above
First Division	6.00 to 7.49
Second Division	5.00 to 5.99
Pass	4.00 to 4.99

CGPA to % Conversion Formula: % of Marks Obtained=CGPA*10

एम. ए. प्रथम समसत्र

SANS 404 धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र एवं वैज्ञानिक शास्त्र

Max. Marks : 100	**L**	**T**	**P**	**C**
(CA: 40 + ESA: 60)	**5**	**0**	**0**	**5**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- संस्कृत शास्त्रों के विविध पक्षों का ज्ञान प्राप्त कर मौलिक चिन्तन एवं प्रयोग की क्षमता का विकास।
- शारीरिक एवं मानसिक विकास।
- स्वास्थ्य के प्रति चेतनात्मक दृष्टि।

निर्देशः–

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड : धर्मशास्त्र–

(अ) मनुस्मृति (7वाँ अध्याय 1 से 100 श्लोक) दो व्याख्या या एक प्रश्न

(ब) धर्मशास्त्र का इतिहास – दो प्रश्न

द्वितीय खण्ड : अर्थशास्त्र एवं नीतिशास्त्र का इतिहास–

(अ) अर्थशास्त्र ;कौटिल्य 1–4 प्रकरण में 2–8 अध्याय

विद्यासमुद्देशः से अमात्यों की नियुक्ति प्रकरण–दो व्याख्या या एक प्रश्न

(ब) नीतिशास्त्र का इतिहास–दो प्रश्न

तृतीय खण्ड : वैज्ञानिक शास्त्र–

(क) आयुर्वेदशास्त्र (चरकसंहिता–सूत्रस्थानदीर्घाञ्जीविताध्यायः)

(श्लोक 41 से 67 तक) – दो व्याख्या या एक प्रश्न

(ख) गणित शास्त्र का सामान्य परिचय – एक प्रश्न

(ग) ज्योतिषशास्त्र का सामान्य परिचय – एक प्रश्न

संस्तुत पुस्तकें–

1. मनु, *मनुस्मृति,* व्या. गजानन शास्त्री, मुसलगाँवकर, वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
2. कौटिल्य, *अर्थशास्त्र,* व्या. वाचस्पति गैरोला, (2009), वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन।
3. चरक, *चरक संहिता,* व्या. ब्रह्मानन्द, त्रिपाठी (2013), वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।

E- Resources-

- तुलसीराम स्वामिना, 'मनुस्मृति'
  https://archive.org/details/HindiBookManusmriti
- दर्शनानन्द सरस्वती, मनुस्मृति
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.407245
- सुरेन्द्र कुमार, 'मनु और उनकी मनुस्मृति'
  https://archive.org/details/ManuAurUnkiManusmritiSurendraKumar/page/n1
- जीवानन्द विद्यासागर, 'धर्मशास्त्र संग्रह'
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.406530
- पी.वी.काणे, 'धर्मशास्त्र का इतिहास'
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.496396/page/n5
- Sohan lal meena, 'Relationship between state and dharma in manusmriti'
  https://www.jstor.org/stable/41856150?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=manusmriti&searchUri=%2
- उदयवीर शास्त्री, 'कौटिल्य अर्थशास्त्र'
  https://archive.org/details/KautilyaKaArthshastra-Hindi-Kautilya
- प्राणनाथ विद्यालंकार, 'कौटिल्य अर्थशास्त्र'
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.473131
- kiranjit kaur, 'Kautilya: Saptanga theory of state'
  https://www.jstor.org/stable/42748368?seq=1/subjects

- P.V.Kane, 'The Arthsahstra of Kautilya'
  https://www.jstor.org/stable/44082683?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=kautilya&searchUri=%2Faction%
- अत्रिदेव जी गुप्त, 'चरक संहिता'
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.487454
- नरेन्द्रनाथ सेन गुप्ता, 'चरक संहिता'
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.273032/page/n77
- भाष्यं स्वामी, 'शास्त्रसंजीविनी'
  https://archive.org/details/ShastraSanjiviniBhashyamSwamiSamskritaBharathiSanskritArticles/page/n1

SANS 403 भाषा शास्त्र एवं व्याकरण

Max. Marks : 100	**L**	**T**	**P**	**C**
(CA: 40 + ESA: 60)	**5**	**0**	**0**	**5**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- व्याकरण बोध से शुद्ध उच्चारण–अर्थावबोध सम्बन्धी कौशल अर्जित करना।
- संस्कृत साहित्य को सुगमतापूर्वक समझने की योग्यता का विकास।
- पद–संरचना सम्बन्धी सूक्ष्मताओं का ज्ञान।

निर्देशः–

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड : भाषाशास्त्र–

भाषा की उत्पत्ति, भाषा की प्रकृति, भाषाओं का वर्गीकरण, भारोपीय भाषा परिवार, वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश एवं आधुनिक भारतीय आर्य भाषायें।

द्वितीय खण्ड : उच्चारण संस्थान, ध्वनियाँ –

स्वर एवं व्यंजन ध्वनि वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण और दिशाएँ, ध्वनि–नियम एवं अर्थविज्ञान

तृतीय खण्ड : व्याकरण – लघुसिद्धान्तकौमुदी – प्रक्रिया भाग

सोदाहरण सूत्रों की व्याख्या एवं प्रयोगसिद्धि

(अ) णिजन्तप्रक्रिया से कण्ड्वादि तक

(ब) आत्मनेपद प्रक्रिया से लकारार्थ प्रक्रिया तक

संस्तुत पुस्तकें–

1. शास्त्री, मंगलदेव, (1962), *तुलनात्मक भाषा विज्ञान,* प्रयाग, इण्डियन प्रेस।
2. तिवारी, भोलानाथ (1967), *भाषा विज्ञान,* इलाहाबाद, किताब महल।
3. पाण्डेय, लक्ष्मीकांत, (1988), *भाषा विज्ञान,* कानपुर, ग्रन्थम प्रकाशन।
4. मैक्समूलर, (1978), *भाषा विज्ञान,* दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास।
5. वरदराज, *लघुसिद्धान्तकौमुदी,* व्या. भीमसेन शास्त्री (2007), दिल्ली, भैमी प्रकाशन।
6. वरदराज, *लघुसिद्धान्तकौमुदी,* व्या. अर्कनाथ चौधरी, (2010), जयपुर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय।
7. वरदराज, *लघुसिद्धान्तकौमुदी,* व्या. कान्ता भाटिया, (2017), वाराणसी, भारतीय विद्या प्रकाशन।
8. दीक्षित, भट्टोजि, *वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी, व्या. बालकृष्ण पञ्चोली* (2007), वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत संस्थान।
9. वरदराज, *लघुसिद्धान्तकौमुदी,* (प्रक्रिया भाग) विनोद कुमार झा, (2012), दिल्ली, कल्पना प्रकाशन।

E- Resources-

- भोलानाथ तिवारी, 'भाषाविज्ञान'
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.442347/page/n1
- रामेश्वर दयाल अग्रवाल, 'भाषाविज्ञान के सिद्धान्त'
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.307727/page/n1

- युधिष्ठिर मीमांसक, 'संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास' भाग–1
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.402475
- भाग–2
  ttps://archive.org/details/SanskritVyakaranShastraKaIthasPartII
  Yudhishthir Mimansak
- भाग–3
  https://archive.org/details/SanskritVyakaranShastraKaIthasPartIII
  Yudhishthir Mimansak_ 201806

SANS 401 भारतीय दर्शन, भाग–I

Max. Marks : 100	**L**	**T**	**P**	**C**
(CA: 40 + ESA: 60)	**5**	**0**	**0**	**5**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- दार्शनिक बोधपूर्वक मौलिक चिन्तन की क्षमता उत्पन्न होगी।
- भारतीय दर्शन का बोध।

निर्देशः–

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड : सांख्यकारिका; (ईश्वरकृष्ण) – (व्याख्या)

(अ) 1 से 35वीं कारिका पर्यन्त

(ब) 36वीं कारिका से ग्रन्थ समाप्तिपर्यन्त

द्वितीय खण्ड : अर्थसंग्रह; (लौगाक्षिभास्कर) – (व्याख्या)

(अ) उपोद्धात से परिसंख्या विधि पर्यन्त।

(ब) नामधेय से अर्थवाद तक।

तृतीय खण्ड :

(अ) सांख्यकारिका से समीक्षात्मक प्रश्न

(ब) अर्थसंग्रह से समीक्षात्मक प्रश्न

संस्तुत पुस्तकें–

1. ईश्वरकृष्ण, *सांख्यकारिका,* व्या. विमला कर्णाटक, (1997), दिल्ली, चौखम्बा ओरियन्टालिक केन्द्र।
2. ईश्वरकृष्ण, *सांख्यकारिका* व्या. थानेशचन्द्र उप्रेती, (1990), वाराणसी, चौखम्बा, संस्कृत, प्रतिष्ठान।
3. मिश्र, वाचस्पति, *सांख्यतत्त्वकौमुदी,* व्या. गजानन शास्त्री, (1998), वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत संस्थान।
4. भास्कर, लौगाक्षी मिश्र, *अर्थसंग्रह,* व्या. कामरेश्वरनाथ, (1979), वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
5. उपाध्याय, बलदेव, (1960), *भारतीय दर्शन,* वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
6. मिश्र, उमेश, (1964), *भारतीय दर्शन,* उत्तरप्रदेश।
7. हिरियन्ना, एम., (1973), *भारतीय दर्शन की रूपरेखा,* दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
8. गुप्त, सुरेन्द्रनाथ दास, (1989), *भारतीय दर्शन का इतिहास,* जयपुर, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।

E-Resources-

1- नन्द किशोर देवराज – *भारतीय दर्शन(ऐतिहासिक और समीक्षात्मक विवेचन)*

https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.273682/page/n1

2- एन.के.देवराज– *भारतीय दर्शनशास्त्र का इतिहास*

https://archive.org/details/Bhartiya.Darshan.Sastra.Ka.Itihas_201801

3- पं. रामस्वरुप, 'वेदान्तसारः'

https://archive.org/details/VedantasaraOfSadanandaHindiTikaRamSwarupSharmaVenkateswaraSteamPress1900

4- S. Radhakrishnan, 'the vedanta philosophy and the doctrine of maya'

https://www.jstor.org/stable/2376777?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=upanishad&searchUri=%

- वाचस्पति मिश्र, 'सांख्यकारिका'
  https://archive.org/details/sankhyakarika_1931
- p.chenna reddy, 'kundakundacharya and his contribution to jain philosophy'
  https://www.jstor.org/stable/44144074?seq=1#page_scan_tab_contents
- Y. Krishan, ' Nitya and naimittika karmas in the purva mimamsa'
  https://www.jstor.org/stable/41694413?seq=1#page_scan_tab_contents
- J. L. Shaw, 'conditions for understanding the meaning of a sentence: the nyaya and the advaita vedanta'
  https://www.jstor.org/stable/23493454?seq=1/subjects.
- Krishna S. Arjunwadkar, 'A rational approach to vedanta'
  https://www.jstor.org/stable/41702172?seq=1/subjects

SANS 405 प्राचीन संस्कृत साहित्य, भाग–I

Max. Marks : 100	**L**	**T**	**P**	**C**
(CA: 40 + ESA: 60)	**5**	**0**	**0**	**5**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- मेघदूत के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक झलक एवं भौगोलिक परिवेश का ज्ञान।
- कादम्बरी के माध्यम से सर्वश्रेष्ठ संस्कृत गद्य लेखक बाणभट्ट एवं संस्कृत गद्य साहित्य का ज्ञान।
- तुलनात्मक दृष्टिकोण का विकास।

निर्देशः–

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड : मेघदूतम् (कालिदास) श्लोकों की व्याख्या–

(अ) पूर्वमेघ

(ब) उत्तरमेघ

द्वितीय खण्ड : कादम्बरीः (बाणभट्ट) गद्य अंश का अनुवाद–

(अ) कादम्बरी के कथामुख मंगलाचरण के पद्यों से लेकर शबरचरितवर्णनम् के शनैशनैरभिमतम् दिगन्तरमयासीत् तक का अंश पठनीय।

तृतीय खण्ड : समीक्षात्मक प्रश्न–

1. 'मेघदूतम्' के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध समीक्षात्मक प्रश्न।
2. 'कादम्बरी' कथामुख भाग (बाणभट्ट) के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध समीक्षात्मक प्रश्न।

संस्तुत पुस्तकें–

1. बाणभटट्, *कादम्बरी,* व्या. श्रीकृष्णमोहन शास्त्री, (1999), वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत संस्थान।
2. कालिदास, *मेघदूत,* व्या. आर.बी.शास्त्री, (2017), जयपुर, हंसा प्रकाशन।
3. अग्रवाल, वासुदेवशरण, (1959), *मेघदूत एक अध्ययन,* दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
4. अग्रवाल, वासुदेवशरण, (1957), *कादम्बरी एक सांस्कृतिक अध्ययन,* वाराणसी, चौखम्बा विद्या भवन।
5. आचार्य रामकुमार, (1963), *संस्कृत के सन्देश काव्य,* अजमेर, आदर्श प्रेस।
6. भारतीय, महेशचन्द, (1973), *बाणभट्ट और कादम्बरी : एक आलोचनात्मक अध्ययन,* गाजियाबाद, विमला प्रकाशन।
7. पाण्डेय, अमरनाथ, (1972), *बाणभट्ट का साहित्यिक अनुशीलन,* दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास।
8. उपाध्याय, बलदेव, (2008), *संस्कृत सुकवि समीक्षा,* वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन।
9. शर्मा, नीता, (1968), *बाण ए स्टडी,* दिल्ली, मुन्शीराम मनोहरलाल।
10. कृष्णमूर्ति, (1976), *बाणभट्ट,* दिल्ली, साहित्य अकादमी।

E- Resources-

- राजेन्द्र मिश्र, कादम्बरी कथामुखम्

  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.485230

- J. Tilakasiri, 'Kalidasa's poetic art and erotic traits'

  https://www.jstor.org/stable/41691706?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=kalidasa&searchUri=%2Faction

- Arvind Sharma, 'A city in a Khandtoakavya: Ujjain in the meghduta of kalidasa'

  https://www.jstor.org/stable/40873117?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=kalidasa&searchUri=%

- Induprakash pandey, 'Reviewed Work: The Cloud Messenger by Kalidasa, Franklin Edgerton, Eleanor Edgerton

  https://www.jstor.org/stable/40119500?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=meghdut&searchUri=%

- श्री कृष्णमोहन, कादम्बरी

  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.272851

- Review by: H. W. Bailey, Reviewed Work: Bana's Kadambari by A. A. M. Scharpe

  https://www.jstor.org/stable/607988?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=kadambari&searchUri=%2

- मनमोहन लाल शर्मा, महाकवि माघ

  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.478474/page/n1

- केशवराव मुसलगॉवकर, शिशुपालवधम् महाकाव्यम्

  https://archive.org/details/SisupalavadhaMahakavyamGSMusalgaonkar1998_201802

- Richard salomon, 'magha, mahabharta nad bhagavata: The source and legacy of the sisupalavadha'

  https://www.jstor.org/stable/10.7817/jameroriesoci.134.2.225?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=magha&searchUri=%2

SANS 407 वैदिक साहित्य एवं भारतीय संस्कृति

	L	T	P	C
Max. Marks : 100				
(CA: 40 + ESA: 60)	**5**	**0**	**0**	**5**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- भारतीय संस्कृति की ऐतिहासिक समझ का विकास।
- वैदिक साहित्य एवं भारतीय संस्कृति के तथ्यों एवं वैशिष्ट्य को जानने की क्षमता का विकास।

निर्देशः–

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड :

(अ) **ऋग्वेद के निम्नलिखित सूक्त अध्ययन के लिए निर्धारित हैं** (व्याख्या सहित)

अग्नि (1/1), नदी (3/33), अश्विनौ (7/7), वागाम्भृणी (10/125)

(ब) **ऋग्वेद के निम्नलिखित सूक्त** –

कितव (10/34), ज्ञान, (10/71), पुरुष (10/90), नासदीय (10/129)

द्वितीय खण्ड : **पदपाठ, ऋषि, देवता एवं छन्द का परिचय** –

(अ) निर्धारित सूक्तों से सम्बद्ध पदपाठ

(ब) निर्धारित सूक्तों से सम्बद्ध ऋषि के विषय में प्रश्न

(स) निर्धारित सूक्तों के छन्द से सम्बद्ध प्रश्न

(द) निर्धारित सूक्तों के देवता से सम्बद्ध प्रश्न

तृतीय खण्ड : **भारतीय संस्कृति का इतिहास**

(अ) ऋग्वेद काल से लेकर 400 ई.पू. तक का भारतीय सांस्कृतिक इतिहास।

(ब) मौर्य काल से लेकर 12वीं शताब्दी तक का भारतीय सांस्कृतिक इतिहास।

(स) भारत के औपनिवेशिक तथा सांस्कृतिक विस्तार का इतिहास।

संस्तुत पुस्तकें–

1. पाण्डेय, देवेन्द्र नाथ, (2006) *वैदिकसूक्तसंग्रह,* जयपुर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय।
2. मैक्समूलर, (1966) *ऋग्वेद संहिता सायण भाष्य सहित,* वाराणसी, चौखम्बा।
3. त्रिपाठी, गयाचरण, (1980) *वैदिक देवता उद्भव और विकास,* नई दिल्ली, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान।
4. मैक्डोनल. ए.ए., (1972) *वैदिक माइथोलॉजी,* वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत पुस्तकालय।
5. चौबे, बी.बी. (1981) *न्यू वैदिक सेलेक्शन,* दिल्ली, भारतीय विद्या प्रकाशन।
6. मिश्र, श्रीकिशोर, (1989) *मधुपर्कपर्यालोचनम्,* वाराणसी विजयप्रेस।
7. मिश्र, श्री किशोर, (1988) *वेदशाखा पर्यालोचनम्,* वाराणसी, विजयप्रेस।
8. मुखर्जी, राधाकुमुद, (1990) *हिन्दू सभ्यता,* दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।

E- Resources-

- वैदिक सूक्त संग्रह, गीता प्रेस गोरखपुर
  https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress/page/n3
- बलदेव उपाध्याय, वैदिक साहित्य और संस्कृति
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345816
- गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, वैदिक विज्ञान और भारतीय संस्कृति
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.346569/page/n3
- दुर्गाचार्य, निरुक्त
  https://archive.org/details/NiruktaDurgacharya
- Johannes rbonkhorst, *'nirukta and aṢṬādhyāyī: their shared presuppositions*
  https://www.jstor.org/stable/24653425?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=nirukta&searchUri=%2

द्वितीय समसत्र

SANS 402 भारतीय दर्शन, भाग–II

Max. Marks : 100	**L**	**T**	**P**	**C**
(CA: 40 + ESA: 60)	**5**	**0**	**0**	**5**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- दर्शन की विविध शाखाओं के स्वरूप का ज्ञान।
- मौलिक चिन्तनपूर्वक तात्त्विक विश्लेषण की योग्यता का विकास।
- तार्किक क्षमता का विकास।

निर्देशः–

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड : वेदान्तसारः (सदानन्दयोगी) – व्याख्या

(अ) प्रारम्भ से तत्त्वमसि के पूर्व तक

(ब) ''तत्त्वमसि'' – से ग्रन्थ समाप्ति पर्यन्त

द्वितीय खण्ड : तर्कभाषा (केशव मिश्र) – व्याख्या

(अ) ग्रन्थारम्भ से अनुमान प्रमाण तक

(ब) ''हेतु'' से प्रामाण्यवाद तक

तृतीय खण्ड :

(अ) जैन दर्शन (प्रथम अध्याय) चैनसुखदास

(ब) वेदान्तसार एवं तर्कभाषा के निर्धारित प्रतिपाद्य से सम्बद्ध (समीक्षात्मक प्रश्न)

संस्तुत पंस्तके–

1. सदानन्द, *वेदान्तसार,* व्या. लम्बोदर मिश्र, (2010), जयपुर, राष्ट्रीय संस्कृत साहित्य केन्द्र।
2. सदानन्द, *वेदान्तसार,* राममूर्ति शर्मा, (2007), दिल्ली, चौखम्बा पब्लिशर्स।
3. मिश्र, केशव, *तर्कभाषा,* विश्वेश्वर आचार्य, (1953), वृन्दावन, गुरूकुल विश्वविद्यालय।
4. दास चैनसुख, *जैनदर्शनसार,* नरेन्द्रकुमार शर्मा (2008), जयपुर, हंसा प्रकाशन।
5. शास्त्री, उदयवीर, (1970), *वेदान्त दर्शन का इतिहास,* गाजियाबाद, विरजानन्द वैदिक संस्थान।
6. शेखावत, महेन्द्र, (1971), *वेदान्त का स्वरूप एवं विकास,* भोपाल, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।
7. गुप्त, सुरेन्द्रनाथ दास (1989), *भारतीय दर्शन का इतिहास,* जयपुर, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।
8. मिश्र, केशव, *तर्कभाषा* व्या. आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त, (2009), वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत भवन।
9. मिश्र, केशव, *तर्कभाषा* व्या.एच. एन यादव (2015), नई दिल्ली, हरीश प्रकाशन मन्दिर।
10. मिश्र, केशव, *तर्कभाषा,* व्या. अर्कनाथ चौधरी, (2003) जयपुर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय।
11. मिश्र, केशव, *तर्कभाषा,* व्या. बद्रीनाथ शुक्ल, (2011), वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
12. शुक्ल, दीनानाथ, (2009) *भारतीय दर्शन परिभाषा कोश,* दिल्ली, प्रतिभा प्रकाशन।

E- Resources-

- नन्दकिशोर देवराज– भारतीय दर्शन(ऐतिहासिक और समीक्षात्मक विवेचन)

  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.273682/page/n1

- एन.के.देवराज– भारतीय दर्शनशास्त्र का इतिहास

  https://archive.org/details/Bhartiya.Darshan.Sastra.Ka.Itihas_201801

- रामस्वरुप, 'वेदान्तसारः'

  https://archive.org/details/VedantasaraOfSadanandaHindiTikaRamSwarupSharmaVenkateswaraSteamPress1900

- S. Radhakrishnan, 'the vedanta philosophy and the doctrine of maya'

  https://www.jstor.org/stable/2376777?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=upanishad&searchUri=%2F

- p.chenna reddy, 'kundakundacharya and his contribution to jain philosophy'

  https://www.jstor.org/stable/44144074?seq=1#page_scan_tab_contents

- Y. Krishan, ' Nitya and naimittika karmas in the purva mimamsa'

  https://www.jstor.org/stable/41694413?seq=1#page_scan_tab_contents

- J.L. Shaw, 'conditions for understanding the meaning of a sentence: the nyaya and the advaita vedanta'

  https://www.jstor.org/stable/23493454?seq=1/subjects

- Krishna S. Arjunwadkar, 'A rational approach to vedanta'

  https://www.jstor.org/stable/41702172?seq=1/subjects

SANS 406 प्राचीन संस्कृत साहित्य, भाग–II

Max. Marks : 100	**L**	**T**	**P**	**C**
(CA: 40 + ESA: 60)	**5**	**0**	**0**	**5**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- दूत काव्य परम्परा का अवबोध।
- राजनैतिक विश्लेषण की क्षमता का विकास।
- अध्ययन के प्रति तुलनात्मक दृष्टि का विकास

निर्देशः–

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड : शिशुपालवधम्– द्वितीय सर्ग (माघः)– व्याख्या

(अ) एक से 80 वें पद्य पर्यन्त

(ब) 81 वें पद्य से सर्ग समाप्ति पर्यन्त

द्वितीय खण्ड : नैषधीयचरितम् – तृतीय सर्गः – (श्रीहर्षः) – व्याख्या

(अ) एक से 100 वें पद्य पर्यन्त

(ब) 101 वें पद्य से सर्ग समाप्ति पर्यन्त

तृतीय खण्ड : समीक्षात्मक प्रश्न

'शिशुपालवधम्' एवं 'नैषधीयचरितम्' के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध समीक्षात्मक प्रश्न

संस्तुत पुस्तकें–

1. माघ, *शिशुपालवध,* व्या. हरगोविन्द शास्त्री (2010), वाराणसी, चौखम्बा विद्या भवन।
2. श्री हर्ष, *नैषधीयचरितम्,* व्या.. प्रभाकर शास्त्री, रूपनारायण त्रिपाठी, (2001), जयपुर, हंसा प्रकाशन।
3. श्री हर्ष, *नैषधीयचरितम्,* व्या. केशवराव मुसलगाँवकर, (2013), वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत संस्थान।
4. उपाध्याय, बलदेव, (2008), *संस्कृत सुकवि समीक्षा,* वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन।
5. आचार्य, रामकुमार, (1963), *संस्कृत के सन्देश काव्य,* अजमेर, आदर्श प्रेस।

E- Resources

- मनमोहन लाल शर्मा, *महाकवि माघ*
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.478474/page/n1
- केशवराव मुसलगॉवकर, शिशुपालवधम् महाकाव्यम्
  https://archive.org/details/SisupalavadhaMahakavyamGSMusalgaonkar1998_201802

- Richard salomon, 'magha, mahabharta nad bhagavata: The source and legacy of the sisupalavadha'
  https://www.jstor.org/stable/10.7817/jameroriesoci.134.2.225?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=magha&searchUri=%2

SANS 409 व्याकरणशास्त्र एवं अनुवाद

Max. Marks : 100	**L**	**T**	**P**	**C**
(CA: 40 + ESA: 60)	**5**	**0**	**0**	**5**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- व्याकरण की दार्शनिक अवधारणाओं का ज्ञान।
- भाषा संरचना के विश्लेषण की क्षमता का विकास।
- वाक्य संरचना की प्रक्रिया का अवबोध।
- संस्कृत साहित्य को पढ़ने व समझने हेतु कौशल में अभिवृद्धि।
- साधु एवं असाधु शब्दों का ज्ञान।

निर्देशः–

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड : वाक्यपदीयम् (भर्तृहरि)

ब्रह्मकाण्ड – 1 से 50 वीं कारिका तक

(क) व्याख्या
(ख) प्रश्न
(ग) टिप्पणी

द्वितीय खण्ड : महाभाष्यम् (पतञ्जलिः) पश्पशाह्निक

(क) व्याख्या
(ख) प्रश्न
(ग) टिप्पणी

तृतीय खण्ड : अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत में)

संस्तुत पुस्तकें–

1. भर्तृहरि, *वाक्यपदीयम्,* व्या.पं. रघुनाथ शर्मा, (1975), वाराणसी, चौखम्भा, संस्कृत संस्थान।
2. भर्तृहरि, *वाक्यपदीयम्,* व्या. शिवशंकर अवस्थी, (2006), वाराणसी, चौखम्भा विद्या भवन।
3. पतंजलि, *व्याकरण–महाभाष्यम्,* व्या. जयशंकरलाल त्रिपाठी (2013), वाराणसी, चौखम्बा कृष्णदास अकादमी।
4. पतंजलि, *व्याकरणमहाभाष्य,* व्या॰ चारुदेव शास्त्री (2017), दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास।
5. द्विवेदी, कपिल (2003) *प्रौढरचनानुवाद कौमुदी,* वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन।
6. वरदराज, *लघुसिद्धान्तकौमुदी,* (तृतीय भाग) डॉ. विनोद कुमार झा, (2012), दिल्ली, कल्पना प्रकाशन।

E- Resources-

- वेदानन्द झा, वाक्यपदीयम्
  https://archive.org/details/VakyapadiyamBrahmakandamVedanandaJha
- नरेन्द्र शर्मा, वाक्यपदीयम्
  https://archive.org/details/BhartrihariSVakyapadiyamBrahmaKandamRaghunathSharma_201801
- चक्रधर शर्मा शास्त्री, अनुवाद चन्द्रिका
  https://archive.org/details/AnuvadChandrikaChakradharsharmaShastri1954_201802/page/n1
- कपिलदेव द्विवेदी, प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी
  https://archive.org/details/PrarambhikRachanaAnuvadKaumudiKDDwivedi1978_20180228
- कपिलदेव द्विवेदी, प्रौढ रचनानुवाद कौमुदी
  https://archive.org/details/PraudhaRachanaAnuvadKaumudiKDDwivedi1955

SANS 408 वैदिक साहित्य एवं उसका इतिहास

	L	T	P	C
Max. Marks : 100				
(CA: 40 + ESA: 60)	**5**	**0**	**0**	**5**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद के अंशों के अध्ययन द्वारा वैदिक सभ्यता, संस्कृत एवं दर्शन का ज्ञान।
- निरुक्त के द्वारा वैदिक शब्दों के अर्थ निर्धारण के कौशल का विकास।
- वैदिक साहित्य का ऐतिहासिक परिचय।
- वेद–वेदांग में निहित ज्ञानसम्पदा के प्रायोगिक कौशल का विकास।

निर्देशः–

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड : यजुर्वेद – (व्याख्या) –

यजुर्वेद के निम्नलिखित अंश अध्ययन के लिए निर्धारित हैं :–

अध्याय – 32/1–16 मन्त्र (परमात्मा)

अध्याय – 34/1–6 मन्त्र (शिवसंकल्प सूक्त)

द्वितीय खण्ड : सामवेद एवं अथर्ववेद –

निम्ननिर्दिष्ट अंश अध्ययन के लिए निर्धारित है :– (व्याख्या)

(अ) सामवेद – पूर्वार्चिक ऐन्द्र प./अ. 3, खण्ड 1/(233–242) इन्द्र पूर्वार्चिक ऐन्द्र पा. प. अ. 5/ख–6/;523–532

(ब) अथर्ववेद – काण्ड – 12/1–15 – मन्त्र तक (पृथिवी सूक्त)
अथर्ववेद – काण्ड – 7/12, 13, (राष्ट्र सूक्त)
अथर्ववेद – काण्ड – 19/53 (काल, सूक्त)

तृतीय खण्ड :

(अ) निरुक्त का प्रथम अध्याय (आचार्य यास्क) – व्याख्या एवं निर्वचन

(ब) निरुक्त का द्वितीय अध्याय (आचार्य यास्क) – व्याख्या एवं निर्वचन

(स) वैदिक साहित्य का इतिहासः

(संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् एवं सूत्रग्रन्थ)

संस्तुत पुस्तकें–

1. पाण्डेय, देवेन्द्रनाथ, (2006), *वैदिकसूक्तसंग्रह,* जयपुर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय।
2. *माध्यन्दिनसंहिता महीधरभाष्य सहित* डॉ. राधाकृष्ण शास्त्री, (1992), वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन।
3. *अथर्ववेदसंहिता सायणभाष्य सहित,* विश्वबन्धु (1961), विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोध संस्थान।
4. यास्क *निरुक्त* छज्जूराम शास्त्री, (2016), दिल्ली, मेहरचन्द लक्ष्मनदास पब्लिकेशन्स।
5. शर्मा, उमाशंकर (2006*) ऋक्सूक्त निकषः, वाराणसी,* चौखम्बा ओरियण्टालिया।
6. शर्मा, उमाशंकर, (2010), *निरुक्त* , वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती।
7. यास्क, *निरुक्त,* व्या. मुकुन्द बख्शी झा (2010)
8. मिश्र जगदीशचन्द्र (2010) *वैदिक वाङ्मयस्येतिहासः*, वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती।
9. गैरोला वाचस्पति (2010) *वैदिक साहित्य और संस्कृति,* चौखम्बा सुरभारती वाराणसी।
10. शर्मा, रामस्वरूप (2010) *सामवेद संहिता* , वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती वाराणसी।
11. उपाध्याय, बलदेव (1998) *वैदिक साहित्य और संस्कृति,* वाराणसी, शारदा संस्थान।

E- Resources-

- बलदेव उपाध्याय, *वैदिक साहित्य और संस्कृति*
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345816

- गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, वैदिक विज्ञान और भारतीय संस्कृति
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.346569/page/n3
- दुर्गाचार्य, निरुक्त
  https://archive.org/details/NiruktaDurgacharya
- Johannes Rbonkhorst,'Nirukta and Astadhyayi: Their Shared Presuppositions
  https://www.jstor.org/stable/24653425?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=nirukta&searchUri=%2

CS 421 Introduction to Computer Applications

Max. Marks : 100	**L**	**T**	**P**	**C**
(CA: 40 + ESA: 60)	**3**	**0**	**0**	**3**

Learning Outcomes:

On sussessful completion of the course students will be able to:

- Demonstrate knowledge of the computer system.
- Have the ability to define operating system, databases and Network applications.
- Have an understanding of the proper contents of a computer system and these software tools like MS-WORD, MS-EXCELL, MS-Power Point and Corel Draw.

Section A

Introduction to Computers

Elements of a Computer System, Block diagram of Computer System and functions of its components, evolution of computers and classification, concept of hardware and software.Introduction to Operating Systems (DOS, Windows and UNIX).

Section B

(a) PC Software

Word Processing: Creating and Saving documents, formatting, Inserting Tables and Pictures, and Mail Merge. Spread sheet: Creating worksheet, Use of functions and Creating Charts. Introduction to Presentation Packages, Graphics and Animation packages

(b) Introduction to Computing

Programming languages, system and application software, compiler and interpreters, concept of a program, program design & development, algorithms and flowchart development.

Section C

(a) Internet & Web

Introduction to popular packages on concept of computer communication, computer network (LAN, WAN, MAN), Internet, Internet Services-www, email etc.

(b) Introduction to Computer Applications in Humanities

Data Base Management Systems, Statistical Packages, Expert Systems, Multilingual Applications.

CS 421L Introduction to Computer Applications Lab

Max. Marks : 100	**L**	**T**	**P**	**C**
(CA: 40 + ESA: 60)	**0**	**0**	**4**	**2**

1. Working with Windows.
2. Working with MS office Package (MS-Word, Excel, Power Point).
3. Working with CorelDraw
4. Using Internet services
5. Using subject specific application packages.

तृतीय समसत्र

SANS 504 संस्कृत काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

	L	T	P	C
Max. Marks : 100				
(CA: 40 + ESA: 60)	**5**	**0**	**0**	**5**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- संस्कृत काव्यशास्त्र के विशेष सिद्धान्तों का अवबोध।
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्तों का परिचय।
- सौन्दर्य–शास्त्रीय तत्वों के मूल्यांकन एवं विश्लेषण की अभिक्षमता का विकास।
- संस्कृत काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के स्वरूपगत अन्तर व वैशिष्ट्य को पहचानने की क्षमता का विकास।

निर्देशः–

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड : रसगंगाधर (प्रथम आनन)–

(क) मंगलाचरण (स्मृतापि तरूणातपं .....) से आरम्भ कर काव्यत्रयभेदपद्धति के निराकरण (तुल्यस्कन्धत्वात् सममेवप्राधान्यम्) तक

(ख) रसस्वरूप (अथ ध्वनिलक्षणाय समासेन) से आरम्भ कर रसदोष (अनयासुधीभिरन्यदप्यूह्यम्)

(ग) प्रतिपाद्य से सम्बद्ध प्रश्न

द्वितीय खण्ड :

(क) गुण निरूपण (अथ प्रसंगसंगत्या गुणान् निरूपयति) से आरम्भकर – शब्दगुण (एते दश शब्दगुणाः) तक

(ख) अर्थगुण (अथार्थागुणेषु प्रथमं श्लेषं निरूपयंल्लक्षयति) से आरम्भ कर वर्जनीय रचना (इतिसंक्षेपेण निरूपिता रसाः) तक

(ग) प्रतिपाद्य से सम्बद्ध प्रश्न तक

तृतीय खण्ड : काव्यमीमांसा एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र–

(क) चतुर्थ अध्याय एवं पंचम अध्याय

(ख) पाश्चात्य काव्यशास्त्र (विरेचन, उदात्तीकरण एवं अभिव्यंजनावाद)

(ग) प्रतिपाद्य से सम्बद्ध प्रश्न

संस्तुत पुस्तकें–

1. जगन्नाथ, पण्डितराज, *रसगंगाधर*, बदरीनाथ झा, (2001), वाराणसी, चौखम्बा प्रकाशन।
2. राजशेखर, *काव्यमीमांसा*, रमाकान्त पाण्डेय, (2008), जयपुर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय।
3. माहेश्वरी, चिन्मयी, (1974), *रसगंगाधर : एक समीक्षात्मक अध्ययन*, जयपुर, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।
4. बाली, तारकनाथ, (1974), *पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास*, दिल्ली, मैकमिलन।
5. मिश्र, भागीरथ, (1993), *पाश्चात्य काव्यशास्त्रः इतिहास सिद्धान्त और वाद*, वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन।

E- Resources

- रसगंगाधर– चिन्मयी, "रसगंगाधर : एक समीक्षात्मक अध्ययन"
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.478623/page/n17
- रसगंगाधर, पण्डित राज जगन्नाथ– पाण्डुलिपि
  https://archive.org/details/RasGangaDharPanditRajJagannathAlm2Shlf2254KhDevanagariAlankarShastra/page/n1
- काव्यमीमांसा–किरन श्रीवास्तव, "आचार्य राजशेखर कृत 'काव्यमीमांसा' का आलोचनात्मक अध्ययन"
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.481074
- श्यामा वर्मा–"आचार्य राजशेखर"
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.406632
- सी.डी दलाल– "राजशेखर विरचित काव्यमीमांसा"
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.405279/page/n5

- पी.वी.काणे– "संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास"
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.320814/page/n1
- vidya niwas mishra, 'sanskrit rhetoric and poetic'
  https://www.jstor.org/stable/40874432?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=sanskrit&searchText=poetic&searchUri=%2Faction

SANS 505 संस्कृत काव्यशास्त्र एवं उसका इतिहास

Max. Marks : 100	**L**	**T**	**P**	**C**
(CA: 40 + ESA: 60)	**5**	**0**	**0**	**5**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- संस्कृत काव्यशास्त्र से सम्बद्ध विशिष्ट ग्रन्थों एवं ग्रन्थकारों का ज्ञान ।
- संस्कृत काव्यशास्त्रीय सम्प्रदायों का ज्ञान।
- काव्यशास्त्र का ऐतिहासिक बोध।
- साहित्यिक ग्रन्थों के विश्लेषण की क्षमता का विकास।

निर्देशः–

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड : काव्यप्रकाश (मम्मट)–

(1) प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय उल्लास

(2) चतुर्थ एवं पंचम उल्लास (चतुर्थ उल्लास में कारिका संख्या 38–44 तक केवल कारिका भाग)

(3) काव्यप्रकाश के प्रथम से पंचम उल्लास के निर्धारित प्रतिपाद्य से सम्बद्ध समीक्षात्मक प्रश्न।

द्वितीय खण्ड : ध्वन्यालोक (आनन्दवर्धन)–

(1) प्रथम उद्योत (1–12 कारिका)

(2) प्रथम उद्योत (13–19 कारिका)

(3) ध्वन्यालोक के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध प्रश्न

तृतीय खण्ड : संस्कृत काव्यशास्त्र एवं इतिहास–

(1) ग्रन्थ परिचय

(2) ग्रन्थकार परिचय

(3) काव्य समीक्षा के छह सिद्धान्त (रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति एवं औचित्य)

संस्तुत पुस्तके–

1. मम्मट , *काव्यप्रकाश,* व्या. आचार्य विश्वेश्वर, (2009), वाराणसी, ज्ञानमण्डल लिमिटेड
2. मम्मट, *काव्यप्रकाश,* व्या. श्री निवास शर्मा, (2003), वाराणसी, भारतीय विद्या प्रकाशन।
3. आनन्दवर्द्धन, *ध्वन्यालोक,* व्या. डॉ. कृष्णकुमार, (1988), मेरठ, साहित्य भण्डार।
4. आनन्दवर्द्धन,, *ध्वन्यालोक,* व्या. आचार्य जगन्नाथ पाठक, (2003), वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
5. द्विवेदी, रामचन्द्र, (1965), *अलंकार मीमांसा,* दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास।
6. श्रीवास्तव, आनन्द प्रकाश, (2012), *आधुनिक संस्कृत काव्यशास्त्र।*
7. उपाध्याय, बलदेव, (2012 संवत्), *भारतीय साहित्यशास्त्र,* काशी, प्रसाद परिषद्।
8. पाण्डेय, त्रयम्बक गणेश, (1960), *भारतीय साहित्य शास्त्र,* बम्बई, पॉपुलर बुक डिपो।

E- Resources-

- काव्यप्रकाश– गंगानाथ झा "काव्यप्रकाश"
  https://archive.org/details/KavyaPrakash
- ध्वन्यालोक– रामसागर त्रिपाठी, "ध्वन्यालोकः"
  https://archive.org/details/DhvanyalokaHindi/page/n1
- आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि, "ध्वन्यालोकः"
  https://archive.org/details/Dhvanyalokah/page/n1

- K. krishnamoorthy, 'Germs of the theory of 'Dhvani''
  https://www.jstor.org/stable/44028064?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=sanskrit&searchText=grammer&searchUri=%2Faction
- J. C. Wright, Sanskrit Poetics: A Critical and Comparative Study by Krishna Chaitanya
  https://www.jstor.org/stable/611535?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=sanskrit&searchText=poetics&searchUri=%2Faction
- E. B, The Vakrokti-Jīvitam by Rajānāka Kuntaka by Sushil Kumar De, Rajānāka Kuntaka
  https://www.jstor.org/stable/598409?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=sanskrit&searchText=poetics&searchUri=%2Faction
- राधावल्लभ त्रिपाठी, 'संस्कृत काव्यशास्त्र और काव्यपरम्परा'
  https://archive.org/details/SanskritKavyaShastraAurKavyaParamparaRadhaVallabhTripathi201801

SANS 510 संस्कृत व्याकरणम्

Max. Marks : 100	**L**	**T**	**P**	**C**
(CA: 40 + ESA: 60)	**5**	**0**	**0**	**5**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- शब्द–निर्माण एवं वाक्य–निर्माण की प्रक्रिया का ज्ञान।
- प्रत्यय व कारकों का व्यावहारिक भाषा में प्रयोग कर मौलिक विचारों की सरल एवं स्पष्ट अभिव्यक्ति की क्षमता का विकास।
- अर्थ निर्धारण की प्रक्रिया का ज्ञान।

निर्देशः–

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड : – **सिद्धान्तकौमुद्याः** कारकप्रकरणम् ।

द्वितीय खण्ड : – **लघुसिद्धान्तकौमुद्याः** कृत्य प्रक्रिया पूर्वकृदन्त– प्रकरणच।

तृतीय खण्ड : – **लघुसिद्धान्तकौमुद्याः** उत्तरकृदन्तप्रकरणञ्च।

संस्तुत पुस्तकें–

1. दीक्षित, भट्टोजि, *वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी*, (बालमनोरमा व्याख्या), व्या. गोपालदत्तपाण्डेय (2013), वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
2. दीक्षित, भट्टोजि *वैयाकरण–सिद्धात–कौमुदी*, (व्या.) बालकृष्ण पंचोली, (2007), वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत संस्थान।
3. वरदराज, *लघुसिद्धान्तकौमुदी*, व्या. भीमसेन शास्त्री, (2007), दिल्ली, भैमी प्रकाशन।
4. वरदराज, *लघुसिद्धान्तकौमुदी*, व्या. अर्कनाथ चौधरी, (2010), जयपुर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय।

E- Resources -

- लघुसिद्धान्त कौमुदी– भीमसेन शास्त्री, 'लघुसिद्धान्त कौमुदी' https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.485702/page/n1
- नरेन्द्रशर्मा, 'लघुसिद्धान्त कौमुदी' https://archive.org/details/VaradarajaLaghusiddhantakaumudi1937/page/n1

SANS 506 संस्कृत नाट्य एवं नाट्यशास्त्र भाग–I

Max. Marks : 100	**L**	**T**	**P**	**C**
(CA: 40 + ESA: 60)	**5**	**0**	**0**	**5**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- संस्कृत नाट्यशास्त्र का बोध।
- नाट्य रचनाओं द्वारा नाट्य कौशल का विकास कर व्यावहारिक प्रयोग क्षमता का विकास।
- शब्दों एवं वाक्य सम्बन्धी विश्लेषणात्मक कौशल में अभिवृद्धि।

निर्देशः–

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड : उत्तररामचरितम् (भवभूतिः)–

(1) प्रथम से चतुर्थ अंक तक

(2) पंचम से सप्तम अंक तक

द्वितीय खण्ड : नाट्यशास्त्रम् (भरतमुनिः)

(1) द्वितीय अध्याय

(2) षष्ठ अध्याय

तृतीय खण्ड : समीक्षात्मक प्रश्न–

(1) उत्तररामचरितम् के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध समीक्षात्मक प्रश्न

(2) नाट्यशास्त्र के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध समीक्षात्मक प्रश्न

संस्तुत पुस्तकें–

1. करमकर, आर.डी., *भवभूति,* (1971), धारवार, कर्नाटक, विश्वविद्यालय।
2. भवभूति, *उत्तररामचरितम्,* व्या. रमाशंकर त्रिपाठी, (2013), वाराणसी, चौखम्भा संस्कृत सीरीज।
3. भवभूति, *उत्तररामचरितम्,* व्या. कपिलदेव गिरी, (2013), वाराणसी, चौखम्भा संस्कृत भवन।
4. भरतमुनि, *नाट्यशास्त्रम्,* व्या. बाबूलाल शुक्ल शास्त्री, (2004) ,वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत संस्थान।
5. त्रिपाठी, राधावल्लभ, (2004), *नाट्यशास्त्र विश्वकोश* (4 भाग), नई दिल्ली, प्रतिभा प्रकाशन।

E- Resources

- उत्तररामचरितम्– तारिणीश झा, "उत्तररामचरितम् " https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.403218/page/n1
- राजलक्ष्मी वर्मा, 'भवभूति की कृतियों का नाट्यशास्त्रीय विवेचन' https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.475675
- T.G Mainkar- 'The delineation of love by bhavbhuti'

https://www.jstor.org/stable/41692380?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=bhavbhuti&searchUri=%2Faction

- नाट्यशास्त्र– मनमोहन 'दि नाट्यशास्त्र'

  https://archive.org/details/NatyaShastra/page/n1

- पारसनाथ द्विवेदी, 'नाट्यशास्त्रम्'

  https://archive.org/details/BharatMuniSNatyaShastraIParasNathDwivedi03/page/n5

- नाट्य– k.p kulkarni, 'sanskrit drama nd dramatists'

  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.264529/page/n5

- V.Raghavan, 'sanskrit drama: theory and performance'

  https://www.jstor.org/stable/41152424?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=sanskrit&searchText=drama&searchUri=%2

- S.s. janaki, 'Abhinavgupta's contribution to Sanskrit drama tradition'*https://www.jstor.org/stable/41693343?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=sanskrit&searchText=drama&searchUri=%2Faction*

- Herman Tieken, 'On the use of 'rasa' in studies of Sanskrit drama'

  https://www.jstor.org/stable/24663435?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=sanskrit&searchText=drama&searchUri=%2Faction

चतुर्थ समसत्र

SANS 503 संस्कृत काव्यशास्त्र एवं अलंकार

	L	T	P	C
Max. Marks : 100				
(CA: 40 + ESA: 60)	**5**	**0**	**0**	**5**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- काव्य में अलंकार पहचानने की क्षमता का विकास।
- काव्यशास्त्रीय तत्त्वों का काव्य में अनुप्रयोगात्मक कौशल।

निर्देशः–

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड : काव्यप्रकाश : (मम्मट)

(1) षष्ठ एवं सप्तम उल्लास (सप्तम उल्लास से केवल रस–दोष पठनीय है।)

(2) अष्टम उल्लास

(3) षष्ठ, सप्तम एवं अष्ट् उल्लास के निर्धारित प्रतिपाद्य से सम्बद्ध प्रश्न

द्वितीय खण्ड : काव्यप्रकाश : (मम्मट)

(1) नवम् उल्लास (निर्धारित अलंकारों के भेदोपभेदरहित लक्षण–उदाहरण मात्र)

(2) दशम उल्लास (निर्धारित अलंकारों के भेदोपभेदरहित लक्षण – उदाहरण मात्र)

(3) नवम एवं दशम उल्लास के निर्धारित अलंकारों में परस्पर भेद

निम्नांकित अलंकार,– शास्त्रीय विवेचन व भेदोपभेदरहित केवल लक्षणोदाहरण

(1) अनुप्रास (2) यमक (3) श्लेष (4) पुनरूक्तवदाभास (5) वक्रोक्ति (6) उपमा (7) अनन्वय (8) उपमेयोपमा (9) उत्प्रेक्षा (10) सन्देह (11) रूपक (12) अपह्नुति (13) समासोक्ति (14) निदर्शना

(15) अप्रस्तुतप्रशंसा (16) अतिशयोक्ति (17) भ्रान्तिमान् (18) प्रतिवस्तूपमा (19) दृष्टान्त (20) दीपक (21) तुल्योगिता (22) व्यतिरेक (23) आक्षेप (24) विभावना (25) विशेषोक्ति (26) अर्थान्तरन्यास (27) विरोध (28) स्वभावोक्ति (29) भाविक (30) पर्यायोक्त (31) काव्यलिंग (32) परिसंख्या (33) कारणमाला (34) असंगति (35) विषम (36) एकावली

तृतीय खण्ड : वक्रोक्तिजीवितम् (कुन्तक)

1. प्रथम उन्मेष के मंगलाचरण की कारिका से लेकर 23वीं कारिका (वाच्यवाचकवक्रोक्ति) तक
2. 24वीं कारिका (सम्प्रति तत्र ये मार्गाः) से लेकर प्रथम उन्मेष की समाप्ति तक
3. वक्रोक्तिजीवितम् के प्रथम उन्मेष के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध प्रश्न

संस्तुत पुस्तकें–

1. मम्मट, *काव्यप्रकाश,* व्या. आचार्य विश्वेश्वर, (2009), वाराणसी, ज्ञानमण्डल लिमिटेड।
2. मम्मट, *काव्यप्रकाश,* व्या. आचार्य श्री निवास शर्मा, (2003), वाराणसी, भारतीय विद्या प्रकाशन।
3. मम्मट, *काव्यप्रकाश, आचार्य विश्वेश्वर,* (2009), वाराणसी, ज्ञानमण्डल लिमिटेड ।
4. शर्मा, आचार्य श्री निवास, *काव्यप्रकाश,* (2003), वाराणसी, भारतीय विद्या प्रकाशन, ।
5. मम्मट, *काव्यप्रकाश,* व्या. झलकीकर रामभट्ट वामनाचार्य, (2013), वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान।
6. कुन्तक, *वक्रोक्तिजीवितम्,* रमाकान्त पाण्डेय, (2012), जयपुर, जगदीशसंस्कृत पुस्तकालय।
7. द्विवेदी, रामचन्द्र, (1965), *अलंकार मीमांसा,* दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास।
8. श्रीवास्तव, आनन्द प्रकाश, (2012), *आधुनिक संस्कृत काव्यशास्त्र*।
9. उपाध्याय, बलदेव, (2012), *भारतीय साहित्यशास्त्र,* काशी, प्रसाद परिषद्।
10. पाण्डेय, त्रयम्बक गणेश, 1960, *भारतीय साहित्य शास्त्र,* बम्बई, पॉपुलर बुक डिपो।

11. Richards 1:A, *Principal of Literary Criticism*, 1925, Delhi, Allied Publishers Ltd.

E- Resources-

- काव्यप्रकाश– गंगानाथ झा "काव्यप्रकाश"
  https://archive.org/details/KavyaPrakash
- वक्रोक्तिजीवित– सुशील कुमार डे, ' वक्रोक्तिजीवितम् '
  https://archive.org/details/vakroktijivita
- पी.वी.काणे– "संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास"
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.320814/page/n1

SANS 508 संस्कृत निबन्धो व्याकरणंच

Max. Marks : 100	**L**	**T**	**P**	**C**
(CA: 40 + ESA: 60)	**5**	**0**	**0**	**5**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- व्यवहारोपयोगी शब्द भण्डार में वृद्धि कर शब्दों के प्रसंगानुकूल प्रयोग की क्षमता का विकास।
- व्याकरणिक दृष्टि से शब्दों के यथोचित प्रयोग की योग्यता का विकास।

निर्देशः–

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड : प्रश्नपत्रे साहित्यास्त्रसमबद्धाः पंच निबन्ध–विषयाः तथैव चाधुनिक–संस्कृत–साहित्यं, वैदिक–साहित्य, प्राचीन– संस्कृत– साहित्यं, भारतीदर्शन–सम्बद्धाः निबन्धविषयाः प्रस्तोष्यन्ते तेषु दशसु विषयेषु

कमप्येकमधिकृत्य– परीक्षार्थिनीभिः निबन्धो लेखनीयः। (निबन्धः विकल्पसहितः प्रष्टव्यः)

द्वितीय खण्ड : लघुसिद्धान्तकौमुदी–

लघुसिद्धान्तकौमुद्यास्तद्धितप्रत्ययप्रकरणम्

तृतीय खण्ड : लघुसिद्धान्तकौमुदी–

1. लघुसिद्धान्तकौमुद्याः समासप्रकरणम्
2. लघुसिद्धान्तकौमुद्याः स्त्रीप्रत्ययप्रकरणम्

संस्तुत पुस्तकें–

1. दीक्षित, भट्टोजि, *वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, बालमनोरमा व्याख्या,* व्या. गोपालदत्तपाण्डेय (2013), वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
2. दीक्षित, भट्टोजि, *वैयाकरण–सिद्धात–कौमुदी,* (व्या.) बालकृष्ण पंचोली, (2007), वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत संस्थान।
3. वरदराज, *लघुसिद्धान्तकौमुदी,* व्या. भीमसेन शास्त्री, (2007), दिल्ली, भैमी प्रकाशन।
4. वरदराज, *लघुसिद्धान्तकौमुदी,* (2010), व्या. अर्कनाथ चौधरी, (2010), जयपुर, जगदीश प्रकाशन।
5. द्विवेदी, कपिल देव, (2003), *प्रौढ़रचनानुवादकौमुदी,* वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन।
6. द्विवेदी, कपिल देव, (2008), *संस्कृत निबन्ध शतकम्,* वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशक।
7. वरदराज, *लघुसिद्धान्तकौमुदी,* (स्त्री प्रत्यय) विनोद कुमार झा, (2012), दिल्ली, कल्पना प्रकाशन।

E-Resourses

- लघुसिद्धान्त कौमुदी– भीमसेन शास्त्री, 'लघुसिद्धान्त कौमुदी'
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.485702/page/n1
- नरेन्द्रशर्मा, 'लघुसिद्धान्त कौमुदी'
  https://archive.org/details/VaradarajaLaghusiddhantakaumudi1937/page/n1

SANS 507 संस्कृत नाट्य एवं नाट्यशास्त्र भाग–II

Max. Marks : 100	**L**	**T**	**P**	**C**
(CA: 40 + ESA: 60)	**5**	**0**	**0**	**5**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- नाट्य साहित्य के विश्लेषण की क्षमता का विकास
- नाट्यकौशल का विकास कर मौलिक अभिव्यक्ति के प्रकाशन की क्षमता में वृद्धि

निर्देशः–

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड : वेणीसंहारम् (भट्टनारायणः)

1. प्रथम से तृतीय अंक तक
2. चतुर्थ से षष्ठ अंक तक

द्वितीय खण्ड : दशरूपकम्, कारिका भाग (धनंजयः)

1. प्रथम एवं द्वितीय प्रकाश
2. तृतीय एवं चतुर्थ प्रकाश

तृतीय खण्ड : समीक्षात्मक प्रश्न–

1. वेणीसंहार के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध समीक्षात्मक प्रश्न
2. दशरूपक के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध समीक्षात्मक प्रश्न

संस्तुत पुस्तकें–

1. धनंजय, *दशरूपकम्,* व्या. रामजी उपाध्याय, (2000), वाराणसी, भारतीय विद्या संस्थान।
2. धनंजय, *दशरूपकम्,* व्या. बैजनाथ पाण्डेय, (2015), नई दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास।

E- Resources-

- *V.Raghavan, 'sanskrit drama: theory and performance'*
  https://www.jstor.org/stable/41152424?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=sanskrit&searchText=drama&searchUri=%2
- S.s. janaki, 'Abhinavgupta's contribution to Sanskrit drama tradition'
  https://www.jstor.org/stable/41693343?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=sanskrit&searchText=drama&searchUri=%2Faction
- Herman Tieken, 'On the use of 'rasa' in studies of Sanskrit drama'
  https://www.jstor.org/stable/24663435?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=sanskrit&searchText=drama&searchUri=%2Faction

SANS 516P संस्कृत परियोजना

	L	T	P	C
Max. Marks : 100				
(CA: 40 + ESA: 60)	**0**	**0**	**10**	**5**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- विद्यार्थियों में शोधात्मक अभिरुचि विकसित करना।
- संस्कृत साहित्य की नवीन प्रवृत्तियों के प्रति विद्यार्थियों में रुचि विकसित करना।
- विद्यार्थियों में संस्कृत नवाचारमूलक प्रवृत्तियों का विकास करना।
- विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति कौशल विकसित करना।

संस्कृत परियोजना –

1. प्रत्येक विद्यार्थी को किसी एक विषय का चुनाव कर शोध–निर्देशक के साथ मिलकर परियोजना कार्य को पूर्ण करना होगा। परियोजना कार्य

समसत्रीय परीक्षा से तीन सप्ताह पूर्व जमा किया जाना आवश्यक होगा।

2. परियोजना की अन्तःपरीक्षा सेमिनार एवं साक्षात्कार आधारित होगी एवं बाह्य परीक्षा के लिए परियोजना कार्य को मूल्यांकन हेतु बाह्य परीक्षक के पास भेजा जाएगा।

60 अंक – परियोजना कार्य का मूल्यांकन – (बाह्य परीक्षक द्वारा)

40 अंक – सेमिनार एवं साक्षात्कार – (अन्तःपरीक्षकों द्वारा)

टिप्पणी –

एम. ए. पाठ्यक्रम में चल रहे "संस्कृतवाक्प्रयोगपरीक्षा" प्रश्न–पत्र के स्थान पर "परियोजना कार्य" को निर्धारित किया गया। जिसके क्रैडिट (अंकभार) हटाए गये प्रश्न–पत्र (संस्कृत वाक्प्रयोगपरीक्षा) के अंक भार के समान होंगे। समिति ने 'परियोजना कार्य' का अनुमोदन किया। शेष पाठ्यक्रम यथावत्।

विषयाधारित चयनित पाठ्यक्रम समूह

SANS 513 प्राचीन भारत में स्त्री शिक्षा

	L	T	P	C
Max. Marks : 100				
(CA: 40 + ESA: 60)	**5**	**0**	**0**	**5**

निर्गम–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- भारतीय संस्कृति का ज्ञान।
- प्राचीन भारतीय संस्कृत साहित्य में निहित स्त्री शिक्षा विषयक ज्ञान की प्राप्ति।
- निर्धारित साहित्य में विद्यमान शिक्षा – सम्बन्धी मूल्यों का बोध होगा।

निर्देश :

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड

- वैदिक साहित्य परम्परा में स्त्री शिक्षा

द्वितीय खण्ड

- जैन एवं बौद्ध साहित्य परम्परा में स्त्री शिक्षा

तृतीय खण्ड

- आर्षकाव्य एवं कालिदासपर्यन्त साहित्य में स्त्री शिक्षा

संस्तुत पुस्तकें–

1. उपाध्याय, भरतसिंह, (1950), *थेरी गाथाएँ : भिक्षुणियों के भावनापूर्ण उद्‌गार,* सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन।
2. कुमार, कृष्ण, (1950), *प्राचीन भारत की शिक्षा पद्धति,* नईदिल्ली, श्री सरस्वती सदन, ।
3. काणे, पी. वी.,(1990), *धर्मशास्त्र का इतिहास,* (अनु.) अर्जुन चौबे कश्यप, लखनऊ, हिन्दी समिति सूचना विभाग, ।
4. गुप्ता, राजेशचन्द्र, (1950), *बौद्ध दर्शन का प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति पर प्रभाव (वर्तमान शिक्षा के सन्दर्भ में इसकी उपादेयता),* नई दिल्ली, राधा पब्लिकेशन्स।
5. घोष, इला, (2007), *ऋग्वैदिक ऋषिका,* , दिल्ली , ईस्टर्न बुक लिंकर्स,।
6. घोष, इला, (2012), *वैदिक संस्कृति संरचना(नारी योगदान विभूषित),* दिल्ली , ईस्टर्न बुकलिंकर्स
7. पोद्‌दार, हनुमान प्रसाद, (2009), *नारी शिक्षा,* गोरखपुर, मोतीलाल जलान, गीताप्रेस।
8. मिश्र, बाबूलाल, (2003), *महाभारतकालीन शिक्षा प्रणाली,* प्रतिभा प्रकाशन,।
9. सफाया, रघुनाथ, (2011), *संस्कृत शिक्षण* ,पंचकूला, हरियाणा साहित्य अकादमी।
10. मुकर्जी, राधाकुमुद, (1971), *हिन्दू सभ्यता, (*अनु.) वासुदेवशरण अग्रवाल, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
11. Altekar, A.S, (1944), *Education in Ancient India*, Nand kishore & Bros. Banaras
12. Altekar, A.S, (1938), *The Position of Women in Hindu Civilisation (From Prehistoric times to the Present Day)*, Banaras, The Culture Publication House.

13. Bhawalkar, Vanmala, (1999), *Women in the Mahabharata*, Delhi, sharda publishing house.

14. Chaturvedi, Badrinath, (2008), *The Women of the Mahabharata The Question of Truth*, Delhi, Orient Longman Private Limited.

15. Das, S.K, (1930), Calcutta *The Educational System of the ancient Hindus*.

16. Dharampal, (2007), *The Beautiful Tree:Indigenous indian Education in the Eighteenth Century*,Goa, Other India Press.

17. Idaykidath, V.S, (2000), *Upnishads on Education*, Thiruvananth puram-34.

18. Keay, F.E, (1960), *Ancient Indian Education : an enquiry into its origin development and ideas*, New delhi Cosmo Publication.

19. Mazumder, Nogendra Nath, (1916), *A History of Education in ancient india,* Calcutta, Macmillian & Co., Ltd.

20- Mookerji, Radha Kumud, (1947), *Ancient Indian Education (Brahmanical and Buddhist),* London, Macmillan and Co., Limited,.

E- Resources-

- **History of Dharmashastra**

  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.37698

  https://archive.org/details/historyofdharmas029210mbp/page/n8

  https://archive.org/details/HistoryOfDharmasastraancientAndMediaevalReligiousAndCivilLawV.4/page/n2

  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.49709

- ***The Position of Women in Hindu Civilisation***

  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.100033/page/n3

- ***Education in Ancient India***

  https://archive.org/details/educationinancie032398mbp

SANS 521 संस्कृत भाषा चिन्तन

	L	T	P	C
Max. Marks : 100				
(CA: 40 + ESA: 60)	**5**	**0**	**0**	**5**

निर्गम–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- संस्कृत भाषा चिन्तन (व्याकरणादि) के उद्भव एवं विकास से परिचय।
- सस्कृत भाषा के शुद्ध उच्चारण का ज्ञान होगा।
- संस्कृत भाषा चिन्तन के विकास क्रम, समकालीन भाषा एवं व्याख्या पद्धतियों का ज्ञान।

निर्देश :

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड– संस्कृत भाषा चिन्तन का परिचय

- उच्चारण
- पद – रूप
- शाब्दबोध

द्वितीय खण्ड़– संस्कृत भाषा चिन्तन का उद्भव–

इन्द्र से पाणिनि तक विभिन्न व्याकरणिक कोटियाँ

तृतीय खण्ड.– पाणिन्युत्तर संस्कृत भाषा चिन्तन का सामान्य अध्ययन

- कात्यायन
- पतंजलि
- जयादित्य
- भर्तृहरि
- धर्मकीर्ति
- रामचन्द्र

- नारायण भट्ट
- भट्टोजि दीक्षित
- वरदराज
- कौण्ड भट्ट
- नागेश भट्ट
- वामन शिवराम आप्टे
- चारूदेव शास्त्री
- ब्रह्मदत्त जिज्ञासु
- पुष्पा दीक्षित

संस्तुत पुस्तकें–

1. मीमांसक, युधिष्ठिर, (1973), *संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास,* सोनीपत, रामलाल कपूर ट्रस्ट प्रेस।
2. भर्तृहरि, *वाक्यपदीयम्,* व्या.पं. रघुनाथ शर्मा, (1975) ,वाराणसी, चौखम्भा, संस्कृत संस्थान।
3. भर्तृहरि, *वाक्यपदीयम्,* व्या. शिवशंकर अवस्थी, (2006), वाराणसी, चौखम्भा विद्या भवन।
4. पतंजलि, *व्याकरण–महाभाष्यम्*, व्या. जयशंकरलाल त्रिपाठी, (2013), वाराणसी, चौखम्बा कृष्णदास अकादमी।
5. पतुजलि, *व्याकरणमहाभाष्य,* व्या॰ चारुदेव शास्त्री, (2017), दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास।
6. Sharma, Rama Nath, (2002), *The Ashtadhyayi of Panini*, New Delhi, Munshiram Manoharlal
7. Dikshit , Pushpa , (2018), *Ashtadhyayi Sahajbodh* Delhi , Pratibha Prakashan
8. Shastri , Charudev Shastri, (1969), *Vyakaranchandrodaya* , Delhi, Motilal Banarasidas
9. Kapoor, Kapil, (2005), *Text and Interpretation : The Indian Tradition,* D.K.Printworld, New Delhi
10. Kapoor , Kapil, (2005), *Dimensions of Panini Grammar (The Indian Grammatical System* , Delhi, D.K. Printworld

E- Resources-

- ***Vyakarana chndrodya***
  https://archive.org/details/vyakarana_chandrodaya_1

- ***The Ashtadhyayi of panini***
  https://archive.org/details/TheAshtadhyayiOfPanini-RamNathSharma
- ***Ashtadhyayi Sahajbodh***
  https://www.exoticindiaart.com/book/details/ashtadhyayi-sahajabodha-paniniya-pauspi-prakriya-approach-to-paniniya-ashtadhyayi-set-of-5-volumes-NZL081/
- ***Sanskrit Vyakaranshastra ka itihaas***
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.308409

SANS 517 संस्कृत रेडियो रूपक

Max. Marks : 100	**L**	**T**	**P**	**C**
(CA: 40 + ESA: 60)	**5**	**0**	**0**	**5**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- छात्राएँ संस्कृत साहित्य की आधुनिक विधाओं से परिचित होंगी।
- संस्कृत रेडियों रूपकों के माध्यम से छात्राओं में संस्कृत साहित्य के अभिनव प्रयोग की दृष्टि प्राप्त होगी।
- संस्कृत साहित्य एवं संचार तकनीक के साधनों के उपयोग की समझ का विकास।

निर्देश :

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड–

आधुनिक संस्कृत विधाएँ

संस्कृत रेडियो रूपक का इतिहास

द्वितीय खण्ड–

पूर्वशाकुन्तलम्

गंगा लहरी

न हि भोजसमो नृपः

तृतीय खण्ड–

सत्यमेव जयते

वेताल–कथा

सन्दर्भ पुस्तकें–

1. आचार्य, डॉ हरिराम, (2002), *पूर्वशाकुन्तलम्,* जयपुर, हंसा प्रकासन।
2. कुमार, सिद्धनाथ, *रेडियो नाटक की कला,*
3. सिंह, इन्द्रपाल, *संस्कृत नाटक समीक्षा,* कानपुर, साहित्य निकेतन।
4. पाण्डेय, डॉ रामजी, *भारतीय नाटय सिद्धान्तः उद्भव और विकास* (संस्कृत एवं हिन्दी नाटकों के विशेष सन्दर्भ में), पटना, बिहार राजभाषा परिषद्।
5. भरतमुनि, *नाट्यशास्त्रम्,* व्या. प्रो. ब्रजमोहन चतुर्वेदी, वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
6. Mehta, Tarla, (1999), Delhi, Sanskrit Play Production in Ancient India, Motilal Banarsidas Publishers.

E- Resources-

- Abhigyan Shakuntam

  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.485570

- Bhartiya Natya Siddhant

  https://archive.org/details/BhartiyaNatyaSiddhantaUdbhavaAurVikasDr.RamjiPandeyPart2

SANS 518 संस्कृत साहित्य एवं पर्यावरण विज्ञान

	L	T	P	C
Max. Marks : 100				
(CA: 40 + ESA: 60)	**5**	**0**	**0**	**5**

निर्गम–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- वैदिक एवं लौकिक साहित्य सम्बन्धी ज्ञानावबोध में वृद्धि।
- पर्यावरण चेतना का विकास।
- शोध प्रवृत्ति का रूचिपूर्वक विकास।
- संस्कृत साहित्य को अन्तर्वैषयिक सम्बन्धों को समझने की क्षमता का विकास।

निर्देश :

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड– पर्यावरण का स्वरूप

पर्यावरण–परिचय और परिभाषा, पारिस्थितिकी तंत्र, पर्यावरण के कारक – भूतलीय कारक– पर्वत, वनस्पति, जलीय कारक–ताप, नदियाँ, मानसून, वर्षा, पवन, ऋतुएँ, जलवायु जैविक कारक– जीव–जन्तु, मानव–पर्यावरण सम्बन्ध, पर्यावरण समस्या समाधान, पर्यावरण संरक्षण, महत्त्व एवं दायित्त्व

प्रतिपाद्य से सम्बद्ध समीक्षात्मक प्रश्न–

द्वितीय खण्ड– वैदिक साहित्य में पर्यावरण विज्ञान

प्रतिपाद्य से सम्बद्ध समीक्षात्मक प्रश्न

तृतीय खण्ड– कालिदास के साहित्य में पर्यावरण विज्ञान

प्रतिपाद्य से सम्बद्ध समीक्षात्मक प्रश्न

संस्तुत पुस्तकें

1. *ऋग्वेद संहिता,* (1977), नई दिल्ली, वेद प्रतिष्ठान।

2. *अथर्ववेद,* (1961), होशियारपुर, विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोध संस्थान।

3. *कालिदास, रघुवंशम्,* व्या. हरगोविन्द शास्त्री, (1953), वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज।

4. *कालिदास, कुमारसंभवम्,* सं. सूर्यकान्त, (1966), दिल्ली, साहित्य अकादमी।

5. *कालिदास, ऋतुसंहारम्,* (1962), वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज।

6. *कालिदास, अभिज्ञानशाकुन्तलम्,* सं. कपिलदेव द्विवेदी, (1968), इलाहबाद, रामनारायणलाल बेनीमाधव।

7. *मालविकाग्निमित्रम,* सं. माहनदेव पन्त, संसारचन्द्र, (1968), दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास।

8. मेघदूतम्, व्या. *शेषराजरेग्मी,* (1987), वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन।

9. चतुर्वेदी, सीताराम, (2014), *कालिदास ग्रन्थावली,* लखनऊ, उत्तरप्रदेश, संस्कृत संस्थान।

10. रस्तोगी, वन्दना, (2000), *प्राचीन भारत में पर्यावरण चिन्तन,* जयपुर, पब्लिकेशन स्कीम।

11. कुलश्रेष्ठ, सुषमा, शुक्ल, लक्ष्मी, कुलश्रेष्ठ, आभा, (2011), *संस्कृत साहित्य एवं पर्यावरण,* दिल्ली, ईस्टर्न बुक लिंकर्स।

12. द्विवेदी, कैलाशनाथ, (2015), *कालिदास भूगोल,* जयपुर, रचना प्रकाशन।

E- Resources

- Sanskrit Sahitya ka Itihaas
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.327677
- Environmental Studiess
  https://books.google.co.in/books?id=Fhl-JMGLfcC&printsec=frontcover#v=onepage&q&f=false

SANS 522 उपनिषद्–साहित्य

Max. Marks : 100	**L**	**T**	**P**	**C**
(CA: 40 + ESA: 60)	**5**	**0**	**0**	**5**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- आध्यात्मिक व व्यावहारिक समझ विकास।
- जीवन मूल्यों का ज्ञान।

निर्देश :

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड – ईशावास्योपनिषद्, केनोपनिषद्
द्वितीय खण्ड – कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय)
तृतीय खण्ड – तैत्तिरीयोपनिषद् (शिक्षा वल्ली)

संस्तुत पुस्तकें –

1. *ईशादि नौ उपनिषद्,* (2013), गोरखपुर, गीता प्रेस।
2. शंकराचार्य *ईशादिनौउपनिषद्शांकरभाष्य,* (2007), गोरखपुर, गीता प्रेस।
3. *कल्याण उपनिषद्* अंक, (2015), गोरखपुर, गीता प्रेस।
4. शर्मा, रघुनन्दन, (2004), *वैदिकसम्पत्ति,* हिन्डौनसिटी, घूड़मल आर्य, प्रहलाद कुमार धर्मार्थ ट्रस्ट
5. पाण्डेय, गोविन्द्र चन्द्र, (2008), *वैदिकसंस्कृति,* इलाहबाद, लोकभारती प्रकाशन।
6. श्री अरविन्द, (2015), *वेदरहस्य,* पॉण्डिचेरी, श्री अरविन्दाश्रम।
7. Das Gupta, Surendranath, (1961), *History of Indian Philosophy,* London Combridge University Press.
8. Radhakrishanan, S., (1997), *The Principles Upnishads* , Newyork, Harper.
9. भगवद्दत्त, (1931), *वैदिक वाङ्मय का इतिहास,* नई दिल्ली, प्रणय प्रकाशन।

E-Resources-

- राम शर्मा आचार्य, 108 उपनिषद्
  https://archive.org/details/HindiBook108UpanishadsPart1brahmaVidyaKhanadaPt.ShriramSharmaAcharya
- ईशावास्योपनिषद्, गीता प्रेस गोरखपुर

https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.343456/page/n1

- रामरंग शर्मा, कठोपनिषद्
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.487479
- केनोपनिषद्, गीता प्रेस गोरखपुर
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.320432/page/n1
- बद्रीदत्त शर्मा, प्रश्नोपनिषद्
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345429
- राजवीर शास्त्री, उपनिषद भाष्य
  https://archive.org/details/UpanishadBhasya
- देवदत्त शास्त्री, उपनिषद् मन्दाकिनी

SANS 523 अभिनव काव्यशास्त्र एवं उसका इतिहास

Max. Marks : 100	**L**	**T**	**P**	**C**
(CA: 40 + ESA: 60)	**5**	**0**	**0**	**5**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- प्राचीन एवं अर्वाचीन काव्यशास्त्रीय चिन्तन में तुलनात्मक विश्लेषण करने की क्षमता का विकास।
- संस्कृत साहित्यिक–ग्रन्थों में काव्यशास्त्रीय अनुप्रयोगात्मक दृष्टि का विकास।

निर्देश :

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड – काव्यसत्यालोक

1. प्रथम उद्योत (सत्य निरूपणम्)
2. द्वितीय उद्योत (धर्म सूक्ष्मताधानम्)
3. तृतीय उद्योत (व्यापार योगः)

द्वितीय खण्ड – काव्यसत्यालोक

1. चतुर्थ उद्योत (भावयोगः)
2. पंचम उद्योत (काव्यलक्षणादि विवेचनम्)
3. काव्यसत्यालोक से सम्बद्ध समीक्षात्मक प्रश्न

तृतीय खण्ड – आधुनिक काव्यशास्त्रीय प्रमुख ग्रन्थों का सामान्य परिचय

(काव्यालंकारकारिका, अभिनवकाव्यालंकारसूत्र, काव्यसत्यालोक, वागीश्वरीकण्ठसूत्रम् काव्यचमत्कार आदि)

संस्तुत पुस्तकें –

1. द्विवेदी, रेवाप्रसाद, (1977), *काव्यालंकारकारिका,* वाराणसी ,चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
2. त्रिपाठी, राधावल्लभ, (2009), *अभिनवकाव्यालंकरसूत्र,* (व्या.) रमाकांत पाण्डेय, जयपुर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय।
3. माधव, हर्षदेव, (2011), *वागीश्वरीकण्ठसूत्र* (अनु.) प्रवीण पण्डया, नई दिल्ली, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान।
4. मिश्र, अभिराजराजेन्द्र, (2006), *अभिराजयशोभूषण,* इलाहबाद, बैजयन्त प्रकाशन।
5. रामप्रताप, (2012), *काव्यचमत्कार,* Jammu, Highbrow Publications Bari Brahmana.

E-Resources

- राधावल्लभ त्रिपाठी.'संस्कृत काव्यशास्त्र और काव्यपरम्परा'

  Shttps://archive.org/details/SanskritKavyaShastraAurKavyaParamparaRadhaVallabhTripathi_201801

SANS 519 संस्कृत साहित्य की आधुनिक विधाएँ

	L	T	P	C
Max. Marks : 100				
(CA: 40 + ESA: 60)	**5**	**0**	**0**	**5**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- काव्यसर्जना के सौन्दर्यबोध एवं भाव को जाग्रत कर मौलिक अभिव्यक्ति की योग्यता का विकास ।

निर्देश :

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड़ – आधुनिक पद्य काव्य

- चरितप्रधान काव्य
- प्रतीकात्मक काव्य
- अनूदित काव्य
- व्यंग्य काव्य
- समस्यापूर्ति

द्वितीय खण्ड़ – आधुनिक गद्य काव्य

- उपन्यास
- लघुकथा
- यात्रावृत्त
- जीवनी
- आत्मकथा
- संस्मरण

- रेडियोरूपक
- रिपोर्ताज
- डायरी

तृतीय खण्ड– आधुनिक चम्पू एवं नाट्य

- आर्षकाव्याधारित चम्पू
- समसामयिक विषयाधारित चम्पू
- एकांकी नाटक
- छाया नाटक
- रेडियोरूपक

संस्तुत पुस्तकें–

1. उपाध्याय, बलदेव, (2000), *संस्कृत वाङ्मय का बृहद इतिहास,* (सप्तम खण्ड, लखनऊ, उत्तरप्रदेश, संस्कृत संस्थान।
2. भार्गव, दयानन्द, (1988), *आधुनिक संस्कृत साहित्य,* जोधपुर, राजस्थानी, ग्रन्थागार।
3. शास्त्री, कलानाथ, (1995), *आधुनिक काल का गद्य साहित्य,* नई दिल्ली, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान।
4. शुक्ल, हीरालाल, (1971), *आधुनिक संस्कृत साहित्य,* इलाहाबाद, रचना प्रकाशन।

E- Resources-

- संस्कृत साहित्य का इतिहास
  https://archive.org/details/SanskritSahityaKaItihas/page/n81
- ए.बी. कीथ, संस्कृत साहित्य का इतिहास
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.350163/page/n1

SANS 501 आधुनिक संस्कृत साहित्य भाग–I

	L	T	P	C
Max. Marks : 100				
(CA: 40 + ESA: 60)	**5**	**0**	**0**	**5**

निर्गमः –

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- संस्कृत साहित्य की आधुनिक पद्धतियों का ज्ञान ।
- आधुनिक संस्कृत साहित्य की गद्य–पद्य विधा से परिचय।
- भाव सौन्दर्य एवं कल्पना सौन्दर्य को अभिव्यक्त करने की क्षमता का विकास।

निर्देशः–

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड – शुम्भवधमहाकाव्यम्. त्रयोदश सर्ग–वसन्तत्रयम्बक शेवडे

(1) प्रारम्भ से 30 वें पद्य तक

(2) 31वें पद्य से सर्ग समाप्ति पर्यन्त

(3) प्रतिपाद्य से सम्बद्ध समीक्षात्मक प्रश्न

द्वितीय खण्ड – शिवराज विजय : (उपन्यास) अम्बिकादत्त व्यासः

(1) प्रथम निःश्वास मात्र

(2) द्वितीय निःश्वास मात्र

(3) शिवराजविजय के प्रथम एवं द्वितीय निःश्वास के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध प्रश्न

तृतीय खण्ड – आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास, महाकाव्य, गीतिकाव्य, उपन्यास के सम्बन्ध में सामान्य परिचयात्मक प्रश्न या टिप्पणी

संस्तुत पुस्तकें–

1. शेवडे, वसन्त त्र्यम्बक, (2010), *शुम्भवधमहाकाव्य,* वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।

2. व्यास, अम्बिकादत्त, (2017), *शिवराज विजय* , वाराणसी, चौखम्बा, सुरभारती प्रकाशन।

3. भार्गव, दयानन्द, (2015), *आधुनिक संस्कृत साहित्य,* जयपुर, हंसा प्रकाशन।

4. उपाध्याय, रामजी, (2015–16), *आधुनिक संस्कृत नाट्य* 1–2, वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती।

E- Resources-

- शिवराज विजय– देव नारायण मिश्र," *शिवराज विजय"*
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.402748/page/n1
- हीरालाल तिवारी– " शिवराज विजय"
  https://archive.org/details/Shivarajavijayam/page/n13

SANS 502 आधुनिक संस्कृत साहित्य भाग–II

Max. Marks : 100	**L**	**T**	**P**	**C**
(CA: 40 + ESA: 60)	**5**	**0**	**0**	**5**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- आधुनिक संस्कृत साहित्य का ज्ञान।
- 'चरित्रप्रधान नाट्यसाहित्य – महानाटक के माध्यम से युवाओं का चारित्रिक विकास।
- कथाओं के माध्यम से मानवीय मूल्यों का विकास।

निर्देशः–

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड – विवेकानन्दविजम् (नाटकम्) श्रीधर भास्करवर्णेकर

(1) 1 से 6 अंक पर्यन्त

(2) 7 वे अंक से अन्त तक

(3) विवेकानन्दविजयम् नाटक के प्रतिपाद्य से सम्बद्ध प्रश्न

द्वितीय खण्ड – अभिनवकथानिकुंज– कथा संग्रह– सम्पादक– श्री शिवदत्त शर्मा चतुर्वेदः

(1) 1 से 6 कथाएँ (समीक्षात्मक प्रश्न)

(2) 7 से 12 तक कथाएँ (समीक्षात्मक प्रश्न)

तृतीय खण्ड – सामान्य परिचयात्मक प्रश्न या टिप्पणी

(1) सामान्य परिचयात्मक आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास, नाटक तथा कथा साहित्य के सम्बन्ध में सामान्य परिचयात्मक प्रश्न या टिप्पणी।

संस्तुत पुस्तकें–

1. भार्गव, दयानन्द, (2015), *आधुनिक संस्कृत साहित्य,* जयपुर,, हंसा प्रकाशन।
2. वर्णेकर, श्रीधर भास्कर, (2017), *विवेकानन्दविजयम्,* जयपुर ,हंसा प्रकाशन।
3. उपाध्याय, रामजी, (2015–16), *आधुनिक संस्कृत नाटक* 1–2, भाग वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती।
4. शर्मा, शिवदत्त, *अभिनवकथानिकुन्ज* (संस्कृत कथा संग्रह),(1978), वाराणसी, भारतीय विद्या प्रकाशन।
5. बलदेव, उपाध्याय, *संस्कृत साहित्य का इतिहास,* वाराणसी, भारतीय विद्या प्रकाशन।

E- Resources-

https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.327677/page/n5

- निन्दी पुंज, संस्कृत साहित्य का इतिहास
  https://archive.org/details/SanskritSahityaKaItihas/page/n81
- ए.बी. कीथ, संस्कृत साहित्य का इतिहास
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.350163/page/n1

SANS 524 योगदर्शन

Max. Marks : 100 **L T P C**
(CA: 40 + ESA: 60) **5 0 0 5**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- योग विषय का सैद्धान्तिक ज्ञान होगा।
- योग व प्राणायाम का व्यावहारिक ज्ञान होगा।

निर्देश :

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड : समाधिपाद

द्वितीय खण्ड : साधनपाद

तृतीय खण्ड : विभूतिपाद व कैवल्य पाद

संस्कृत पुस्तकें –

1. पतंजलि, (1984) पातंजल योगदर्शनम् व्या नित्यानन्द झा, वाराणसी, चौखम्भा अमरभारती प्रकाशन।
2. शर्मा, ऋषि, उमाशंकर, दर्शन संग्रह, वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन, 2014
3. उपाध्याय, भरतसिंह, (1954) बौद्ध दर्शन तथा अन्य भारतीय दर्शन, कोलकाता, बंगाल हिन्दी मण्डल।
4. उपाध्याय, विश्णुदेव, (1990) भारतीय दर्शन भूलान्वेशण, दिल्ली आत्माराम एण्ड सन्स, कश्मीर गेट।

5. वर्मा, सुरेन्द्र, (1977) भारतीय दर्शन कुछ आयाम, इन्दौर, दर्शन मण्डल, महारानी रोड़।

E- Resources

- https//archive.org
  www.sanskritebook.org
- नन्द किशोर देवराज – *भारतीय दर्शन(ऐतिहासिक और समीक्षात्मक विवेचन)*
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.273682/page/n1
- एन.के.देवराज – *भारतीय दर्शनशास्त्र का इतिहास*
  https://archive.org/details/Bhartiya.Darshan.Sastra.Ka.Itihas_201801

SANS 525 त्रिक दर्शन

Max. Marks : 100	**L**	**T**	**P**	**C**
(CA: 40 + ESA: 60)	**5**	**0**	**0**	**5**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होगे।

- विभिन्न धर्मों के स्वरूप का अवबोध
- धर्म, दर्शन एवं संस्कृति के प्रति समन्वयात्मक दृष्टिकोण का विकास।
- दर्शन की विविध शाखाओं के स्वरूप का ज्ञान।
- मौलिक चिन्तनपूर्वक तात्त्विक विश्लेषण की योग्यता का विकास।
- तार्किक क्षमता का विकास।
- बोधपूर्वक मौलिक चिन्तन की क्षमता उत्पन्न होगी।
- भारतीय दर्शन का बोध।

निर्देश –

1. यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. परीक्षार्थी को कुल छः प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

प्रथम खण्ड – त्रिक दर्शन की मूलअवधारणाएँ (तत्त्वमीमांसा, आभासवाद, आणवादि उपाय, सप्तकोटिप्रमाता आदि)
द्वितीय खण्ड – अभिनवप्रणीतपरमार्थसार
तृतीय खण्ड – क्षेमराजप्रणीतप्रत्यभिज्ञाहृदयम्

संस्तुत पुस्तकें–

5. (1979), वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
6. उपाध्याय, बलदेव, (1960), भारतीय दर्शन, वाराणसी।
7. मिश्र, उमेश, (1964), भारतीय दर्शन, उत्तरप्रदेश।
8. हिरियन्ना एम. (1973), भारतीय दर्शन की रूपरेखा, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
9. गुप्त, सुरेन्द्रनाथ दास, (1989), भारतीय दर्शन का इतिहास, जयपुर, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।
10. Dasgupta, S.N. History of Indian Philosophy, Motilal Banarasidas. पण्डितबलजिन्नाथ, कश्मीर शैवदर्शन
11. द्विवेदी, रामचन्द्र, काश्मीर शैवपरम्परा
12. रस्तोगी, नवजीवन, शिवाद्वयवाद की मूलअवधारणाएँ
13. अभिनवगुप्त, परमार्थसारव्या. नीलकण्ठगुर्टू
14. अभिनवगुप्त, परमार्थसारव्या. कमला द्विवेदी
15. क्षेमराज, प्रत्यभिज्ञाहृदय व्या. शिवशंकरअवस्थी

E-Resourceested

- नन्द किशोर देवराज– भारतीय दर्शन(ऐतिहासिक और समीक्षात्मक विवेचन)
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.273682/page/n1
- एन.के.देवराज– भारतीय दर्शनशास्त्र का इतिहास
  https://archive.org/details/Bhartiya.Darshan.Sastra.Ka.Itihas_201801
- रामस्वरुप, 'वेदान्तसारः'
  https://archive.org/details/VedantasaraOfSadanandaHindiTikaRamSwarupSharmaVenkateswaraSteamPress1900
- S. Radhakrishnan, 'the vedanta philosophy and the doctrine of maya'
  https://www.jstor.org/stable/2376777?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=upanishad&searchUri=%

- वाचस्पति मिश्र, 'सांख्यकारिका' https://archive.org/details/sankhyakarika_1931
- p.chenna reddy, 'kundakundacharya and his contribution to jain philosophy' https://www.jstor.org/stable/44144074?seq=1#page_scan_tab_contents
- Y. Krishan, ' Nitya and naimittika karmas in the purva mimamsa' https://www.jstor.org/stable/41694413?seq=1#page_scan_tab_contents
- J. L. Shaw, 'conditions for understanding the meaning of a sentence: the nyaya and the advaita vedanta' https://www.jstor.org/stable/23493454?seq=1/subjects.

स्वाध्यायाधारित चयनित पाठ्यक्रम समूह

SANS 511R भारतीय लिपि – विज्ञान

	L	T	P	C
Max. Marks : 100				
(CA: 40 + ESA: 60)	**0**	**0**	**4**	**2**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- छात्राओं को प्राचीन भारतीय लिपियों के ज्ञान का बोध होगा।
- भारतीय इतिहास के प्राचीन स्रोतों को पढ़ने एवं समझने की योग्यता का विकास होगा।

निर्देशः–

1. प्रस्तुत प्रश्न–पत्र स्वाध्याय पर आधारित है प्रश्न–पत्र में कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई पाँच प्रश्न करने होंगे।
2. प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

    - लिपि पद से अभिप्राय एवं परिभाषाएँ
    - लिपि का स्वरूप एवं भेद,
    - लिपि का इतिहास
    - सैन्धव लिपि

- ब्राह्मी लिपि
- खरोष्ठी लिपि
- देवनागरी लिपि

सन्दर्भ पुस्तकें–

1. पाठक, रघुवंश मणि, *भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा तथा लिपि*, लखनऊ, संवेदना प्रकाशन।
2. सत्येन्द्र, *संस्कृत पाण्डुलिपि विज्ञान*, इलाहबाद, हिन्दी प्रचारणी सभा।
3. ओझा, गौरीशंकर हीराचन्द, राम बहादुर, (1971), *भारतीय प्राचीन लिपिमाला*, नई दिल्ली, मुंशीराम मनोहरलाल।

E- Resources-

- Bhartiya pracheen lipimala
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.483822/page/n3
- Hindi Bhasha evam Naagri Lipi ka itihaas
  https://epustakalay.com/wp-content/uploads/2018/05/hindi-bhasha-aur-nagari-lipi-ka-vikas-by-baal-govind-mishra.jpg

SANS 512R पौराणिक भौगोलिक – चिन्तन

Max. Marks : 100	**L**	**T**	**P**	**C**
(CA: 40 + ESA: 60)	**0**	**0**	**4**	**2**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- भौगोलिक तत्त्वों का छात्राओं को ज्ञान होगा।
- पुराणों में भौगोलिक तत्त्वों का अन्वेषण करने में सक्षम होंगी।

निर्देशः–

1. प्रस्तुत प्रश्न–पत्र स्वाध्याय पर आधारित है प्रश्न–पत्र में कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई पाँच प्रश्न करने होंगे।
2. प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

- पुराण शब्द की व्युत्पत्ति, अर्थ एवं लक्षण
- पुराणों के अष्टादश भेद एवं परिचय
- भूगोल का स्वरूप, प्रमुख भौगोलिक तत्त्व
- अष्टादश पुराणों में भौगोलिक तत्त्व

सन्दर्भ पुस्तकें –

1. वेदव्यास, *अग्नि पुराण,* वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज।
2. वेदव्यास, *कूर्म पुराण,* वाराणसी, इण्डोलॉजिकल, बुक हाउस।
3. वेदव्यास, *गरूड पुराण,* देहली, नाग प्रकाशन।
4. वेदव्यास, *पद्म पुराण,* देहली, नाग प्रकाशन।
5. वेदव्यास, *ब्रह्म पुराण,* देहली, नाग प्रकाशन।
6. वेदव्यास, *ब्रह्मवैवर्त पुराण,* कलकत्ता, अरूणोदय प्रकाशन।
7. वेदव्यास, *ब्रह्माण्ड पुराण,* वाराणसी, कृष्णदास अकादमी।
8. वेदव्यास, *भविष्यपुराण,* देहली, नाग प्रकाशन।
9. वेदव्यास, *मत्स्य पुराण,* देहली, मेहरचन्द लक्ष्मणदास।
10. वेदव्यास, *मार्कण्डेय पुराण,* देहली, संस्कृति संस्थान।
11. वेदव्यास, *लिंग पुराण,* देहली, अरूणोदय प्रकाशन।
12. वेदव्यास, *वराह पुराण,* देहली, नाग प्रकाशन।
13. वेदव्यास, *वामन पुराण,* वाराणसी, सर्वभारतीय काशीराजन्यास।
14. वेदव्यास, *वायु पुराण,* गोरखपुर, गीता प्रेस।
15. वेदव्यास, *विष्णु पुराण,* गोरखपुर, गीता प्रेस।
16. वेदव्यास, *शिव पुराण,* काशी, पण्डित पुस्तकालय।
17. वेदव्यास, *श्रीमद्भागवत् पुराण,* कलकत्ता, गोपाल प्रिटिंग वर्क्स।
18. वेदव्यास, *स्कन्द पुराण,* देहली, नाग प्रकाशन।
19. सिंह, सविन्द, *पर्यावरण भूगोल,* इलाहबाद, प्रयाग, पुस्तक भवन।
20. सिंह, कृष्ण चन्द, (2005), *पुराणों में सृष्टि एवं प्रलय,* दिल्ली, सत्यम पब्लिशिंग हाउस।
21. शर्मा, विष्णु दत्त, *पर्यावरणीय भूगोल, दिल्ली,* आर्य प्रकासन मण्डल।
22. उपाध्याय, बलदेव, *पुराण विमर्श, वाराणसी,* चौखम्बा विद्याभवन।
23. उपैति, थानेशचन्द्र, (1986), *पुराण तत्त्व विमर्श,* दिल्ली, परिमल पब्लिकेशन्स।

E- Resources-

- Puran vimarsh(Baldev Upadhyaya)
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.545478/page/n11
- Agni Puran
  https://vedpuran.files.wordpress.com/2011/10/agni-puran.pdf
- Bhagavat Puran
  https://vedpuran.files.wordpress.com/2011/10/bhagwat-puran.pdf
- Bhavishya Puran
  https://vedpuran.files.wordpress.com/2011/10/bavishya-puran.pdf
- Brahm Puran
  https://vedpuran.files.wordpress.com/2011/10/bramha.pdf
- Skand Puran
  https://vedpuran.files.wordpress.com/2011/10/sakand-puran.pdf

SANS 514R संस्कृत में कला–चिन्तन

Max. Marks : 100	**L**	**T**	**P**	**C**
(CA: 40 + ESA: 60)	**0**	**0**	**4**	**2**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- कलात्मक अभिरूचि का विकास।
- कला परक सिद्धान्दतों के प्रति सौन्दर्य दृष्टि का विकास

निर्देशः–

1. प्रस्तुत प्रश्न–पत्र स्वाध्याय पर आधारित है प्रश्न–पत्र में कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई पाँच प्रश्न करने होंगे।
2. प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

- कला का अर्थ एवं स्वरूप
- संस्कृत कला शास्त्रीय ग्रन्थों का सामान्य परिचय
- नाट्यशास्त्र, ललित विस्तर, अग्नि पुराण, विष्णु धर्मोत्तरपुराण, समरांगण सूत्रधार, मानसार , विश्वकर्मा प्रकाश, संगीतरत्नाकर, अभिनव भारती, आदि
- कला का स्वरूप भेद एवं अन्तः सम्बन्ध

- ललित कलाओं का सौन्दर्य शास्त्रीय चिन्तन

संस्तुत पुस्तकें–

1. दीक्षित, सुरेन्द्रनाथ, (1989), *भरत और भारतीय नाट्यकला,* दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास।
2. पाण्डेय, के.सी. (1967), *स्वतन्त्र कलाशास्त्र, वाराणसी,* चौखम्बा संस्कृत सीरिज।
3. झारी, कृष्णदेव, (1985), *भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत,* नई दिल्ली, शारदा प्रकाशन।
4. दीक्षित, हरिनारायण, (1995), *भारतीय काव्यशास्त्र मीमांसा,* दिल्ली, ईस्टर्न बुक लिंकर्स।
5. पाण्डेय, रमाकांत, (2009), *आधुनिक संस्कृत काव्यशास्त्र समीखणम्,* जयपुर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय।
6. शुक्ल, रामलखन, (1973), *भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांत,* गाजियाबाद, अमित प्रकाशन।.
7. त्रिपाठी, राममूर्ति, (2009), *भारतीय काव्य विमर्श,* वाणी प्रकाशन।
8. अज्ञेय, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन, (2010), *भारतीय कला दृष्टि* ,नई दिल्ली, सस्ता साहित्य मण्डल।
9. Coomarswamy, anand k., (2012), *The Dance of Shiva* ,New Delhi, Munsiram manoharlala
10. Coomarswamy, Anand K., (1956*), Introduction to Indian Art,* Adyar the theosophical Publication house.

E- Resources-

- Dance of Shiva

  https://archive.org/details/in.gov.ignca.23032/page/n7
- Abhinavagupta An Historical And Philosophical Study K C Pandey

  https://archive.org/details/AbhinavaguptaAnHistoricalAndPhilosophicalStudyKCPandey
- Comparative Aesthetics K. C. Pandey

  https://archive.org/details/ComparativeAestheticsVol.1IndianAestheticsK.C.Pandey

SANS 515R संस्कृत पत्रकारिता

Max. Marks : 100	**L**	**T**	**P**	**C**
(CA: 40 + ESA: 60)	**0**	**0**	**4**	**2**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- पत्रकारिता के महत्व और प्रासंगिकता के प्रति समझ का विकास।
- शैक्षिक, भाषाई, साहित्यिक व सांस्कृतिक पत्रकारिता आदि की वर्गीकरण की क्षमता व उनकी मूल अवधारणाओं का अवबोध।
- संस्कृत समाचार लेखन–कौशल का विकास।
- पत्रकारिता के स्वरूप व उसके विविध आयामों की सामाजिक भूमिका के प्रति समन्वयात्मक दृष्टिकोण का विकास।
- संस्कृत पत्रकारिता के सामने व्याप्त चुनौतियों एवं संभावनाओं को समझने एवं विश्लेषण करने की अवबोध क्षमता का विकास।

निर्देशः–

1. प्रस्तुत प्रश्न–पत्र स्वाध्याय पर आधारित है प्रश्न–पत्र में कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई पाँच प्रश्न करने होंगे।
2. प्रत्येक प्रश्न के अंक समान है।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

पत्रकारिता का स्वरूप और विकास–

1. पत्रकारिता का अर्थ और स्वरूप
2. पत्रकारिता के विभिन्न रूप व क्षेत्र
3. विश्व व भारतीय पत्रकारिता का परिचय
4. पत्रकारिता के विभिन्न माध्यम
5. पत्रकारिता के सिद्धान्त

संस्कृत पत्रकारिता का इतिहास–

1. संस्कृत पत्रकारिता का प्रारम्भ
2. संस्कृत पत्रकारिता के माध्यम व क्षेत्र
3. संस्कृत पत्र–पत्रिकाएँ एवं पत्रकार व्यक्तित्व परिचय
4. संस्कृत पत्रकारिता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

5. संस्कृत पत्र–पत्रिकाओं का वितरण

संस्कृत पत्रकारिता एवं समकालीन सन्दर्भ –

1. संस्कृत पत्रकारिता व प्रौद्योगिकी
2. संस्कृत पत्रकारिता और समाज
3. संस्कृत पत्रकारिता के विभिन्न आयाम
4. भाषा साहित्य
5. शिक्षा
6. महिला

संस्तुत पुस्तके–

1. जयचन्द्रन, आर., (2012), *साहित्यिक पत्रकारिता* का योगदान, दिल्ली, वाणी प्रकाशन।
2. मालवीय, सौरभ, (2008), *राष्ट्रवादी पत्रकारिता क शिखर पुरुष अटल बिहारी वाजपेयी* ,दिल्ली, वाणी प्रकाशन।
3. मिश्र, रामगोपाल, (1976), *संस्कृत पत्रकारिता का इतिहास,* दिल्ली, विवेक प्रकाशन।

E-Resources

- संस्कृत पत्रकारिता का इतिहास

  https://archive.org/details/SanskritPatrakaritaKaItihasRamGopalMishra1976/page/n15

- संस्कृत पत्रकारिता पर विशिष्ट व्याख्यान

  https://sanskritaprasruti.wordpress.com/2016/11/27/

  https://www.youtube.com/watch?v=KWWLrYsqTWI&t=347s

  https://www.youtube.com/watch?v=ufPvgYfqu94&list=PLNsppmbLKJ8Jt_uOxvNdaxWuMH5Y_AEpy&index=24

  https://www.youtube.com/watch?v=7MUL9SBcWuU&index=26&list=PLNsppmbLKJ8Jt_uOxvNdaxWuMH5Y_AEpy

  https://www.youtube.com/watch?v=Y6YpA8khi2E&list=PLNsppmbLKJ8Jt_uOxvNdaxWuMH5Y_AEpy&index=27

  https://www.youtube.com/watch?v=dTlKGxi49SE&list=PLNsppmbLKJ8Jt_uOxvNdaxWuMH5Y_AEpy&index=28

https://www.youtube.com/watch?v=GfUpmZkhJ3A&index=29&list=PLNsppmbLKJ8Jt_uOxvNdaxWuMH5Y_AEpy

https://www.youtube.com/watch?v=WQR9nN9MCRc&index=1&list=PLNsppmbLKJ8Jt_uOxvNdaxWuMH5Y_AEpy

SANS 520R संस्कृत नाट्य व सिनेमा

Max. Marks : 100	**L**	**T**	**P**	**C**
(CA: 40 + ESA: 60)	**0**	**0**	**4**	**2**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे–

- नाट्य के सामान्य स्वरूप व प्रमुख सिद्धांतों का अवबोध।
- नाट्य साहित्य की शास्त्रीय (तात्विक) समीक्षा दृष्टि का विकास।
- नाट्य के सिद्धांतों का विभिन्न भाषाई सिनेमा में अनुप्रयोग संबंधी समझ का विकास।
- शास्त्रीय अभिनय कौशल का विकास।
- नाट्य सिद्धांतों का नाटक व सिनेमा में अनुप्रयोगात्मक दक्षता का विकास।

निर्देशः–

1. प्रस्तुत प्रश्न–पत्र स्वाध्याय पर आधारित है प्रश्न–पत्र में कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई पाँच प्रश्न करने होंगे।
2. प्रत्येक प्रश्न के अंक समान है।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

नाट्य का स्वरूप एवं प्रकारः–

इतिवृत्त विधान, पात्र–योजना, नायक के प्रकार व गुण, नायक के सहायक, नायिका के भेद व गुण, नायिका की सहायिकाएँ, वृत्ति व प्रवृत्ति–विचार, नाट्य प्रयोग विज्ञान (अभिनय का स्वरूप व उसके प्रकार), रसविमर्श (रस व भाव विवेचन)

समीक्ष्य नाटक–अभिज्ञानशाकुन्तलम्

(वस्तु, नेता, वृत्ति, अभिनय व रसादि नाट्य तत्वों के आधार पर)

नाट्यसिद्धांत आधारित समीक्ष्य फिल्म–

(अ) शंकराचार्य (संस्कृत फिल्म)

(ब) मदर इण्डिया (हिन्दी फिल्म)

(स) गाँधी (अंग्रेजी फिल्म)

संस्तुत पुस्तकें–

1. अभिनवगुप्तपादाचार्य, (1934), *अभिनवभारती,* भाग 1–4, बड़ौदा, गायकवाड़ ओरियण्टल सीरीज,
2. अभिनवगुप्तपादाचार्य, *अभिनवभारती,* (व्या.) विश्वेश्वर, (1973), दिल्ली, विश्वविद्यालय।
3. गोस्वामी, रूप, *नाटकचन्द्रिका* (व्या., सं.) बाबूलाल शुक्ल, (1964), वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत सीरिज ऑफिस।
4. जगन्नाथ, *रसगंगाधर,* (सं.) मथुरानाथ शास्त्री, (1983), दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास।
5. धनंजय, *दशरूपक,* (सं.) श्री निवास शास्त्री, (1994), मेरठ, साहित्य भंडार।
6. नन्दिकेश्वर, *अभिनयदर्पण,* (अनु.) देवदत्त शास्त्री, (1956), इलाहाबाद, मुद्रित।
7. नन्दिकेश्वर, *भरतार्णव,* (1957), दिल्ली, साहित्य अकादमी।
8. भरत, *नाट्यशास्त्र,* (व्या.) ब्रजमोहन चतुर्वेदी, (1998), दिल्ली, विद्यानिधि प्रकाशन।
9. भरत, *नाट्यशास्त्र (अभिनवभारती,* भाग–1), (सं.) जी.एच भट्ट, (1956), बड़ौदा, गायकवाड़ ओरियण्टल सीरिज।
10. भरत, *नाट्यशास्त्रम् (अभिनवभारती* सहित), रामचन्द्र कवि, (1964), बड़ौदा, गायकवाड़ ओरियण्टल सीरिज।
11. प्रवीर, प्रचण्ड, *अभिनव सिनेमा,* (2018), दिल्ली, वाणी प्रकाशन।
12. भारद्वाज, विनोद, *सिनेमाः कल,* आज कल, (2018), दिल्ली, वाणी प्रकाशन।
13. रजा, मासूम राही, *सिनेमा, और संस्कृति,* दिल्ली, वाणी प्रकाशन।

E- Resources-

- Hawaii, Adjunct Fellow East-West Center, WimalDissanayake, and Anthony Guneratne, eds. *Rethinking Third Cinema*. Routledge, 2004. https://books.google.com.gi/books?id=aEaFAgAAQBAJ&printsec=frontcover#v=onepage&q&f=false
- Pauwels, Heidi RM. *The Goddess as Role Model: Sita and Radha in Scripture and on Screen*. Oxford University Press, 2008. http://www.theenglishfaculty.org/ex92caaaqbaj
- Wundt, Wilhelm. *The language of gestures*. Vol. 6. Walter de Gruyter, 2010.Retrived from
- https://books.google.nl/books?id=dyv4ORT4k6kC&printsec=frontcover&dq=sanskrit+natya+and+cemema&hl=en&sa=X&ved=0ahUKEwjWvIjxpeffAhVIsKQKHWMjB_Q4ZBDoAQhYMAk#v=onepage&q&f=false
- Gerould, Daniel Charles, ed. *Theatre, theory, theatre: the major critical texts from Aristotle and Zeami to Soyinka and Havel*. Hal Leonard Corporation, 2000.
- https://books.google.nl/books?id=pENMAgAAQBAJ&printsec=frontcover&dq=sanskrit+natya+and+cemema&hl=en&sa=X&ved=0ahUKEwjbweuqpeffAhWrsaQKHWWNAOk4RhDoAQhXMAg#v=onepage&q&f=false
- Richmond, Farley P., Darius L. Swann, and Phillip B. Zarrilli, eds. *Indian theatre: traditions of performance*. Vol. 1. MotilalBanarsidass Publ., 1993.
- https://books.google.nl/books?id=OroCOEqkVg4C&printsec=frontcover&dq=sanskrit+natya+and+cemema&hl=en&sa=X&ved=0ahUKEwiS3pOOpOffAhXDCewKHf5fAXQ4KBDoAQhBMAU#v=onepage&q&f=false
- Devy, G. N., ed. *Indian literary criticism: theory and interpretation*. Orient Blackswan, 2002.
- https://books.google.nl/books?id=FMF2PL7HgeEC&printsec=frontcover&dq=sanskrit+natya+and+cemema&hl=en&sa=X&ved=0ahUKEwi-iZaao-

ffAhXRzaQKHSVmAg44FBDoAQg6MAM#v=onepage&q&f=false

- Pollock, Sheldon. *A Rasa Reader: Classical Indian Aesthetics*. Columbia University Press, 2016.
- https://books.google.nl/books?id=ub51CwAAQBAJ&printsec=frontcover&dq=sanskrit+natya+and+cemema&hl=en&sa=X&ved=0ahUKEwi-iZaao-ffAhXRzaQKHSVmAg44FBDoAQgpMAA#v=onepage&q&f=false
- Schuyler, Montgomery. *A bibliography of the Sanskrit drama: with an introductory sketch of the dramatic literature of India*. Vol. 3. Columbia University Press, 1906.
- https://books.google.nl/books?id=_tb_tuSDBEoC&pg=PA16&dq=sanskrit+natya+and+drama&hl=en&sa=X&ved=0ahUKEwi28fC0ouffAhXFCOwKHQa2CnA4FBDoAQgpMAA#v=onepage&q&f=false
- Mishra, Hari Ram. *The theory of rasa in Sanskrit drama, with a comparative study of general dramatic literature*. VindhyachalPrakashan, 1964.
- INDIAN DRAMATIC TRADITION AND NEW FORMS
- http://shodhganga.inflibnet.ac.in/bitstream/10603/152405/4/08_chapter_1.pdf
- Partrayal of Society in Sanskrit Natya Literature
- https://www.exoticindiaart.com/book/details/partrayal-of-society-in-sanskrit-natya-literature-NZC104/
- Patnaik, Priyadarshi. *Rasa in Aesthetics: An Application of Rasa Theory to Modern Western Literature*. New Delhi: DK Printworld, 1997.
- राधावल्लभ त्रिपाठी.'संस्कृत काव्यशास्त्र और काव्यपरम्परा*
- https://archive.org/details/SanskritKavyaShastraAurKavyaParamparaRadha
- Sensible Cinema and Natyashastra http://indiafacts.org/sensible-cinema-natyashastra

SANS 526R वैदिक आख्यान

	L	T	P	C
Max. Marks : 100				
(CA: 40 + ESA: 60)	**0**	**0**	**4**	**2**

निर्गमः–

पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी निम्नलिखित में समर्थ होंगे।

- ऋग्वैदिक सूक्तों एवं छन्दों का ज्ञान व अवबोध क्षमता का विकास ।
- वैदिक साहित्य एवं भारतीय संस्कृति के तथ्यों एवं वैशिष्ट्य को जानने की क्षमता का विकास।
- वेद, ब्राह्मण, आरण्यक एवं उपनिषदों की ज्ञानसम्पदा से दार्शनिक, आध्यात्मिक एवं मौलिक चिन्तन क्षमता का विकास।
- जीवन मूल्यों एवं सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान व विकास।

निर्देशः–

1. प्रस्तुत प्रश्न–पत्र स्वाध्याय पर आधारित है प्रश्न–पत्र में कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई पाँच प्रश्न करने होंगे।
2. प्रत्येक प्रश्न के अंक समान है।
3. किसी भी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत–भाषा के माध्यम से देना होगा।

वेदों में आख्यान परम्परा –

आख्यान : उद्भव, स्वरूप एवं परम्परा, आख्यानसिद्धान्त एवं तात्विक समीक्षा, आख्यानसाहित्य, आख्यानों में प्रतिबिम्बित समकालीन स्थिति।
सरमापणि (ऋ. 10/108), शुनःशेप(ऋ.1/24), कक्षीवानस्वनय (ऋ.1/125), दीर्घतमा (ऋ. 1/147), लोपामुद्रा और अगत्स्य (ऋ.1/179), गृत्समद (ऋ. 2/12), वशिष्ठ और विश्वामित्र (ऋ. 3/53), सोमअवतरण (ऋ. 3/43), वामदेव(ऋ. 4/18), वरूण (ऋ. 5/2), अग्निजन्म (ऋ 5/11), श्यावाश्व(ऋ. 5/52), सप्तवधि (ऋ. 5/78), बृबु एवं भारद्वाज (ऋ.6/45), ऋजिश्वा और अतियाज (ऋ.6/52), सरस्वती (ऋ. 6/61), विष्णु के तीन पादविक्षेप(ऋ. 6/69), बृहस्पतिजन्म (ऋ. 6/71), राजा सुदास (ऋ. 7/18), नहुष (ऋ. 7/95), आसंग(ऋ.8/1), अपाला (ऋ.8/91), कुत्स (ऋ.10/38), राजा असामति और चार ऋत्विज (ऋ. 10/57), नाभनेदिष्ट (ऋ. 10/61), वृषाकपि (ऋ.10/86), उर्वशी एवं पुरुरवा (ऋ.10/95), देवापि और शान्तनु (ऋ.

10/98), नचिकेताऔर यम (ऋ. 10/135), विराटपुरूष से चतुर्वर्णोत्पत्ति का आख्यान(ऋ. 10/90)

ब्राह्मण ग्रन्थों में आख्यान परम्परा –

मन और वाणी में कलह, स्वर्भानु का सूर्यपरआक्रमणतथाअग्नि द्वारा उसका विनाश, देवताओं के समीप से यज्ञ द्वारा अश्वरूप धारण कर पलायन तथा मुट्ठी भर कुश ग्रास का प्रलोभन देकर उसका प्रत्यानयन, देवासुरसंग्राम, पुरुरवा–उर्वशी, जलप्लावन, पुरूष से चातुर्वण्य की उत्पत्ति, शुनःशेप, कमलनालदस्यु, कवलएलूष, सौपर्ण, यज्ञीय पशु, विश्वन्तर एवंब्राह्मणों का आख्यान।

उपनिषदों में आख्यान परम्परा –

नचिकेता–यम (कठोपनिषद्), सत्यकाम जाबाल(छान्दोग्योपनिषद्) , आरुणि और श्वेतकेतु (छान्दोग्योपनिषद्), सनत्कुमार एवं नारद (छान्दोग्योपनिषद्), इन्द्र एवंविरोचन (छान्दोग्योपनिषद्), याज्ञवल्क्य एवं मैत्रेयी (छान्दोग्योपनिषद्), प्रवाहणजैबलि एवंआरुणेय श्वेतकेतु (छान्दोग्योपनिषद/ बृहदारण्यकोपनिषद्), प्रतर्दन एवं इन्द्र (छान्दोग्योपनिषद्), देवासुरसंग्राम (बृहदारण्यकोपनिषद्), जनश्रुतिपौत्रायण (छान्दोग्योपनिषद्), रैक्व (छान्दोग्योपनिषद्), श्वानों का आख्यान, उमाहैमवती (केनोपनिषद्) ,द्वा सुपर्णा (मुण्डकोपनिषद्)

संस्तुत पुस्तकें –

1. मैक्समूलर (1966) *ऋग्वेद संहिता सायण भाष्य सहित* वाराणसी चौखम्बा
2. उपाध्याय बलदेव, (1998), *वैदिक साहित्य और वाराणसी*, संस्कृति शारदा संस्थान,
3. पाण्डेय, देवेन्द्र नाथ, (2006), *वैदिक सूक्त संग्रह*, जयपुर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय।
4. शास्त्री हरिदत्त, कुमार कृष्ण 1988, *त्रक्सूक्तसंग्रह* मेरठ साहित्य भण्डार
5. त्रिवेदी. रामगोविन्द, (1968) *वैदिक साहित्य का इतिहास*, वाराणसी
6. आप्टे, गणेश विनायक (1931) *ऐतरेय ब्राह्मण ग्रन्थ रत्नावली* पूना, आनन्दाश्रम ।
7. शास्त्री, ए. चिन्नस्वामी (2013) *शतपथ ब्राह्मण* , वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत पुस्तकालय।
8. शास्त्री, नारायण (1935) *तैत्तिरीय ब्राह्मण* पूना आनन्दाश्रम ।
9. सिंह जालिम, बाबूराम बहादुर (2010) *छान्दोग्योपनिषद्*, वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन,

10. *बृहदारण्यकोपनिषद्* (1985) गोरखपुर गीताप्रेस।
11. *तैत्तिरीय आरण्यक* फड़के 'बाबा शास्त्री' पूना आनन्दाश्रम ।
12. ऐतरेय महीदास (2006) *सायण भाष्य सहित ऐतरेय ब्राह्मण,* तरा पब्लिकेशन, वाराणसी।
13. *तैत्तिरीयारण्यकम्,* पाठक जमुना (2017), वाराणसी, आयुर्वैदिक पब्लिकेशन।
14. त्रिपाठी गयाचरण (1980 *वैदिक देवता उद्भव और विकास,* नई दिल्ली, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान,
15. मैक्डोनल. ए.ए. (1972) *वैदिक माइथोलॉजी,* वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत पुस्तकालय, ।
16. चौबे, बी.बी. (1981), *न्यू वैदिक सेलेक्शन,* दिल्ली, भारतीय विद्या प्रकाशन।
17. मिश्र श्रीकिशोर (1989), *मधुपर्कपर्यालोचनम्* वाराणसी, विजयप्रेस ।
18. मिश्रश्री धर्मकिशोर (1988) *वेदशाखा पर्यालोचनम्,* वाराणसी, विजयप्रेस ।
19. मुखर्जी राधाकुमुद (1990) *हिन्दू सभ्यता,* दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
20. *ईशादि नौ उपनिषद्* (2013) गोरखपुर, गीता प्रेस
21. शंकराचार्य ईशादिनौउपनिषद्शांकरभाष्य (2007), गोरखपुर गीता प्रेस,
22. *कल्याण उपनिषद्* अंक (2015) – गोरखपुर, गीता प्रेस
23. शर्मा, रघुनन्दन (2004) *वैदिकसम्पत्ति,* हिन्डौनसिटी, घूड़मल आर्य, प्रहलाद कुमार धर्मार्थ ट्रस्ट
24. पाण्डेय, गोविन्द्र चन्द्र (2008) *वैदिकसंस्कृति,* इलाहबाद लोकभारती प्रकाशन
25. श्री अरविन्द, (2015) *वेदरहस्य,* पॉण्डिचेरी, श्री अरविन्दाश्रम
26. भगवद्दत्त (1931) *वैदिक वाङ्मय का इतिहास,* नई दिल्ली प्रणय प्रकाशन
27. Das Gupta, Surendranath (1961) *History of Indian Philosophy,* London Combridge University Press
28. Radhakrishanan, S. (1997) *The Principles Upnishads* , Newyork, Harper

E-Resources-

- बलदेव उपाध्याय, संस्कृत साहित्य का इतिहास
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.327677/page/n5
- संस्कृत साहित्य का इतिहास
  https://archive.org/details/SanskritSahityaKaItihas/page/n81
- ए.बी. कीथ, संस्कृत साहित्य का इतिहास
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.350163/page/n1

- वैदिक सूक्त संग्रह, गीता प्रेस गोरखपुर
  https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress/page/n3
- बलदेव उपाध्याय, वैदिक साहित्य और संस्कृति
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345816
- गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, वैदिक विज्ञान और भारतीय संस्कृति
  https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.346569/page/n3
- राम शर्मा आचार्य, 108 उपनिषद्
  https://archive.org/details/HindiBook108UpanishadsPart1brahmaVidyaKhanadaPt.ShriramSharmaAcharya

16. ईशावास्योपनिषद्, गीता प्रेस गोरखपुर
    https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.343456/page/n1
17. रामरंग शर्मा, कठोपनिषद्
    https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.487479
18. केनोपनिषद्, गीता प्रेस गोरखपुर
    https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.320432/page/n1
19. बद्रीदत्त शर्मा, प्रश्नोपनिषद्
    https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345429
20. राजवीर शास्त्री, उपनिषद भाष्य
    https://archive.org/details/UpanishadBhasya

1. https://archive.org/details/IshadiNauUpanishadHindi
2. https://epustakalay.com/book/28071-chandogya-upanishad-by-pt-rajaram/
3. https://www.scribd.com/doc/79310071/Hindi-Book-Brihadaranyaka-Upanishad
4. https://archive.org/details/206606812SanskritVangmayaKaBrihatItihasVedaIBrajBihariChaube
5. https://archive.org/details/HindiBookRigVeda
6. https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.482895